संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 347
पृष्ठ 8
बुधवार
09 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक- उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पैरों की फटी एड़ियां बनेगी...   विचार- नशामुक्त भारत की ओर मजबूत कदम   खेल- भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20...

यूपी बनेगा ग्लोबल टेक्सटाइल हब मुख्यमंत्री योगी बोले-

इन्वेस्टर यूपी के अंदर कहीं भी निवेश कर सकता है

लखनऊ,संवाददाता उत्तर प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र को नई पहचान देने के लिए यूपी टेक्स–2026 का आयोजन 8 और 9 सितंबर को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्लोबल टेक्सटाइल हब पर आधारित यूपी टेक्स कॉन्क्लेव टेक्सटाइल का नया अध्याय बनेगा। यूपी मतलब अप, यानी अप से श्अनलिमिटेड पोटेंशियलश। वैदिक साहित्य में सोने के तारों से जेड वस्त्र का उल्लेख है। अयोध्या में राम के समय बनारस के रेशमी वस्त्र का उल्लेख है। वनवास के समय मां जानकी को दिव्य वस्त्र प्राप्त हुए। महाभारत के राजसूय यज्ञ में युधिष्ठिर को काशी के राजा ने सूती वस्त्र दिए थे। उन्होंने कहा कि रोम और ग्रीक की संस्कृति को देखें तो भारत और यूपी के वस्त्र वहां भेजे जाते थे। बनारस, कानपुर, सीतापुर, मेरठ आदि यूपी की टेक्सटाइल विरासत की क्षमता है। हमारे पास विरासत है। हुनर है। मानव संसाधन है। देश का सबसे बड़ा बाजार है। उद्योग और उद्यमी भी हैं। दुनिया की सबसे बड़ी यंग वर्कफोर्स है। सीएम ने आगे कहा कि पांच लाख बुनकर रियल हीरो हैं। देश के कुल फैब्रिक का 14 फीसदी यूपी में है। कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। यूपी ने खुद को इनोवेशन, टेक्नोलॉजी को जोड़ा है। 350 बिलियन डॉलर की टेक्सटाइल इकनॉमी और 100 बिलियन डॉलर का लक्ष्य है, जो यूपी के बिना पूरा नहीं होगा। यूपी में इस एस्टर में 56 फीसदी की ग्रोथ आई है। सीएम ने कहा कि प्रदेश के 17 टेक्सटाइल उत्पादों को जीआई टैगिंग मिली है। लाखों महिलाएं इनसे जुड़ी हैं। फाइबर से ग्लोबल मार्केट तक पूरी वैल्यू चेन यहां बनानी है। इसके लिए यूपी खुद को तैयार कर चुका है। 2017 से पहले श्वन डिस्ट्रिक्ट वन माफियाश यूपी की पहचान थी। गुंडा टैक्स, वसूली का कारोबार फल फूल रहा था। कोई सुरक्षित नहीं था। निवेशक यहां निवेश का पर्चा लेकर आते थे और वसूली की पर्ची लेकर लौटते थे। तत्कालीन सरकार मौन थी। उन्होंने कहा कि यूपी का नाम सुनकर यूपी के नागरिकों को किराए का घर नहीं मिलता था। होटल में रूम नहीं मिलता था। यूपी का परिचय जानकर सामने वाला दस कदम पीछे हट जाता था। ये भीषण त्रासदी थी। हर तीसरे दिन दंगे होते थे। स्कूल कॉलेज, दुकान, फैक्ट्री महीनों बंद रहते थे। एक धारणा बन गई थी, जहां से सड़कें खराब होना शुरू हो जाए। वहां से यूपी शुरू। बिजली और विकास केवल एक परिवार तक सीमित था। इंडस्ट्री फ्रेंडली पॉलिसी नहीं थी। केवल एक पॉलिसी थी। फैक्ट्री लगाने की कल्पना थी।

सीएम ने कहा कि माल की बिक्री पर व्यापारी का नहीं, बिचौलिए का कब्जा था। कानपुर की मिलें इसी का शिकार हो गईं। मगध की मिल 77 में खुलीं। 97 में बंद हो गईं। आज यूपी में कानून का राज्य है। अपराध और अपराधी के लिए जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी। अब कोई माफिया खुली जीप में पिस्टल लहराकर नहीं घूम सकता। व्यापारी और निवेशक की सुरक्षा में कोई सेंध नहीं लगा सकता। यदि किया तो दो ही ठिकाने होंगें, जेल या जहन्नुम। उन्होंने कहा कि 36 सेक्टरल पॉलिसीज यूपी के पास हैं। व्यापारी और किसान का बाजार पर विश्वास हुआ। युवा का अपने भविष्य और प्रदेश की क्षमता पर भी विश्वास हुआ है। पूछा कि– आपको विश्वास है कि नहीं अब मेरे साथ। यही कारण है कि 9 वर्ष में हम लोगों ने यूपी के अंदर श्अपश की जीएसपी तीन गुना करने में सफलता हासिल की। सीएम ने आगे कहा कि 9 वर्ष में थ्रेट कॉरिडोर से इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक कॉरिडोर तक, उत्तर प्रदेश के पास आज मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी एंड लॉजिस्टिक का एक मजबूत नेटवर्क है। इन 9 वर्ष में हम लोगों ने तैयार किया है। कोई भी इन्वेस्टर पॉलिसी के दायरे में आकर अपने निवेश को यूपी के अंदर कहीं भी निवेश कर सकता है।

75 हजार एकड़ का लैंड बैंक हमारे पास है। ऑनलाइन इंसेंटिव वितरण की व्यवस्था का प्रावधान है। जितनी घोषणाएं करते हैं, उसको 100 परसेंट हम यूपी के अंदर लागू करवाते हैं। किसी भी प्रकार की स्कीम मॉनिटरिंग स्वयं मुख्यमंत्री कार्यालय से होती है। मैं स्वयं उसको मॉनिटर करता हूं, कि इसमें किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। सीएम ने कहा कि हमारे एमएसएमई केवल सब कांट्रेक्टर न बने, बल्कि एक्सपोर्टर बने। वीवर केवल सप्लायर न बने, बल्कि ब्रांड मालिक बने। आप सुझाव दें, हम अपनी टेक्सटाइल पॉलिसी का हिस्सा बनाएंगे। यूपी इंफ्रा, टैलेंट, बाजार और नई संभावनाओं के लिए तैयार है।

मणिपुरी संगीतकार हत्याकांड में दिल्ली पुलिस 8–9 दिन में दाखिल करेगी चार्जशीट : रिजीजू

नयी दिल्ली,एजेंसी। आठ सितंबर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि दक्षिण दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार सी. विक्रम सिंह की हत्या के मामले में आठ से नौ दिन के भीतर आरोपपत्र दाखिल कर दिया जाएगा। उन्होंने इस घटना में शामिल लोगों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। रीजीजू ने बताया कि उन्होंने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की है, जिनमें वे अधिकारी भी शामिल हैं, जो पूर्वोत्तर के लोगों से जुड़े मामलों को देखते हैं, और वह खुद इस जांच पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''पुलिस ने मुझे भरोसा दिलाया है कि आठ से नौ दिन के भीतर आरोपपत्र दाखिल कर दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि जांच अधिकारी आरोपियों के खिलाफ मजबूत मामला तैयार करने में ''कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'' मणिपुर के रहने वाले 54 वर्षीय संगीतकार सी. विक्रम सिंह कई वर्षों से किलोकरी गांव में रह रहे थे। सोमवार सुबह कुछ लोगों ने उन पर उस वक्त कथित तौर पर हमला कर दिया, जब उन्होंने अपने अपार्टमेंट के बाहर शोर मचाने और शराब पीने पर आपत्ति जताई थी। इस घटना में सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को पकड़ा है। रीजीजू ने कहा कि आठों आरोपी अलग–अलग राज्यों से हैं, जिनमें झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार शामिल हैं। सिंह की मौत को ''बहुत दुर्भाग्यपूर्ण'' बताते हुए मंत्री ने कहा कि घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की और आरोपियों का पता लगाया। उन्होंने कहा, ''कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए।'' रीजीजू ने कहा कि पुलिस अधिकारी सिंह के परिवार के संपर्क में हैं और उनके शव को बुधवार को विमान से इंफाल ले जाने की व्यवस्था कर ली गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताए जाने के संबंध में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा कि इस घटना का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। रीजीजू ने कहा, ''देखिए, यह राजनीति का समय नहीं है। मैं बार–बार यही कह रहा हूं।

प्रधानमंत्री का गुजरात से विपक्ष पर निशाना, बोले-

झूठ की गूंज से सच्चाई नहीं हारेगी, विकसित भारत की रफ्तार बढ़ी

वडोदरा,एजेंसी। मंगलवार को वडोदरा में नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोगों की भारी भीड़ ने गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने शहर में एक बड़ा कार्यक्रम भी किया और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तीन अहम हिस्सों को देश को समर्पित किया। यह भारत के डेडिकेटेड फ्रेट इंफ्रास्ट्रक्चर के एक बड़े चरण के पूरा होने का प्रतीक है। ये तीन हिस्से –साणंद (उत्तर)–मकरपुरा, न्यू उमबरगांव–न्यू सफाले और न्यू सफाले–जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल– कुल मिलाकर 326 रूट किलोमीटर में फैले हैं और इन्हें 20,700 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से तैयार किया गया है। मोदी ने कहा कि देरी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद सात या आठ सालों में फ्रेट कॉरिडोर का एक किलोमीटर भी पूरा नहीं हो पाया था। पीएम मोदी ने कहा कि सच तो यह है कि सात या आठ सालों तक फ्रेट कॉरिडोर का एक किलोमीटर भी पूरा नहीं हुआ। उन्होंने अपनी सरकार के काम की रफ्तार की तुलना पिछली सरकारों के धीमे कामकाज से करते हुए यह उदाहरण दिया। उन्होंने आगे कहा कि अगर वे देश को उसी तरह चलाते, तो पता नहीं तीन–चार पीढ़ियाँ गुजर जातीं और फिर भी यह काम नहीं हो पाता।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद इस लंबे समय से अटके हुए प्रोजेक्ट को नई गति देने का श्रेय अपनी सरकार को दिया। गुजरात से दिल्ली तक के अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों से मिले अनुभव और सीख ने केंद्र में कार्यभार संभालने के बाद उनके काम करने के तरीके को आकार दिया। उन्होंने कहा कि 2014 में आपने मुझे दिल्ली भेजा। इस धरती ने मुझे जो सिखाया, उसे लेकर मैं दिल्ली गया। वहां पहुंचकर हमने तुरंत इस काम को गति दी। इतिहासकिताबें खोजें मोदी ने कहा कि ये डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस बात का साक्षी है कि बीते 12 साल में देश की काम करने की संस्कृति कैसे बदली है। इस डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ था। 2006 में इस काम को करने के लिए एक विशेष कंपनी बनाई गई और फिर 2014 तक फाइलें ही यहां से वहां होती रही। दुर्भाग्य देखिए कि इन फाइलों को भी कोई डेडिकेटेड कॉरिडोर नसीब नहीं हुआ। फाइलें अटकती थी, लटकती थी, भटकती थी। मोदी ने कहा कि ये फ्रेट कॉरिडोर एक और वजह से कमाल का है। हाल ही में JNPT पोर्ट मुंबई से वडोदरा तक डबल स्टैक कंटेनर मालगाड़ी का संचालन किया गया है। इस मालगाड़ी के चलने से एक बार में ही 250 से अधिक ट्रकों के बराबर का सामान मुंबई से वडोदरा चला आया। अब ये जो नाराज फूफा जी हैं, वो चिल्लाएंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा, ट्रक कहा जाएंगे, उनका क्या होगा? अब इन फूफा जी को काम मिल गया है।

आत्मनिर्भर भारत की बुलेट ट्रेन! पहला बॉडी फ्रेम तैयार

अश्विनी वैष्णव बोले – अगले साल मई तक टेस्टिंग

नयी दिल्ली,एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि देश में बनी बुलेट ट्रेन का पहला बॉडी फ्रेम तैयार हो गया है और इसे श्स्क्वीज टेस्टश के लिए भेजा गया है। वैष्णव के मुताबिक, बुलेट ट्रेन अगले साल मई या जून तक टेस्टिंग के लिए पटरी पर आ जाएगी। बुलेट ट्रेन सर्विस शुरू होने के बाद, लोग वडोदरा से मुंबई सिर्फ डेढ़ घंटे में पहुँच सकेंगे। श्नमो फॉर विकसित भारतश कार्यक्रम में बोलते हुए वैष्णव ने कहा कि 2 से 4 महीने की टेस्टिंग के बाद प्रधानमंत्री बुलेट ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। मंत्री ने कहा कि भारत में बन रही बुलेट ट्रेन – जो प्रधानमंत्री के श्आत्मनिर्भर भारतश के विजन से प्रेरित है – का पहला बॉडी फ्रेम परसों ही पूरा हुआ और इसे श्स्क्वीज टेस्टश के लिए भेजा गया। अगले साल मई या जून तक, भारत की अपनी बुलेट ट्रेन टेस्टिंग के लिए पटरी पर होगी। 2–4 महीने की टेस्टिंग के बाद, प्रधानमंत्री खुध्द बुलेट ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। जब आप वडोदरा से बुलेट ट्रेन में सफर करेंगे, तो आप सिर्फ डेढ़ घंटे में मुंबई पहुँच जाएँगे। इससे पहले, वैष्णव ने कहा था कि सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन के पहले हिस्से को अगले साल शुरू करने का लक्ष्य है, जबकि बाकी हिस्से पर काम उम्मीद से ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल (ड।भ्त्) कॉरिडोर भारत के सबसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक है और यह देश में हाई–स्पीड रेल यात्रा के एक नए दौर की शुरुआत करेगा। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ॅक्थ्ब्) के तीन अहम हिस्सों को देश को समर्पित किया। यह भारत के डेडिकेटेड फ्रेट इंफ्रास्ट्रक्चर के एक बड़े चरण के पूरा होने का प्रतीक है। ये तीन हिस्से – साणंद (उत्तर)–मकरपुरा, न्यू उमरगाँव–न्यू सफाले और न्यू सफाले–जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (श्रछच्ज) – कुल मिलाकर 326 रूट किलोमीटर में फैले हैं और इन्हें 20,700 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से तैयार किया गया है।

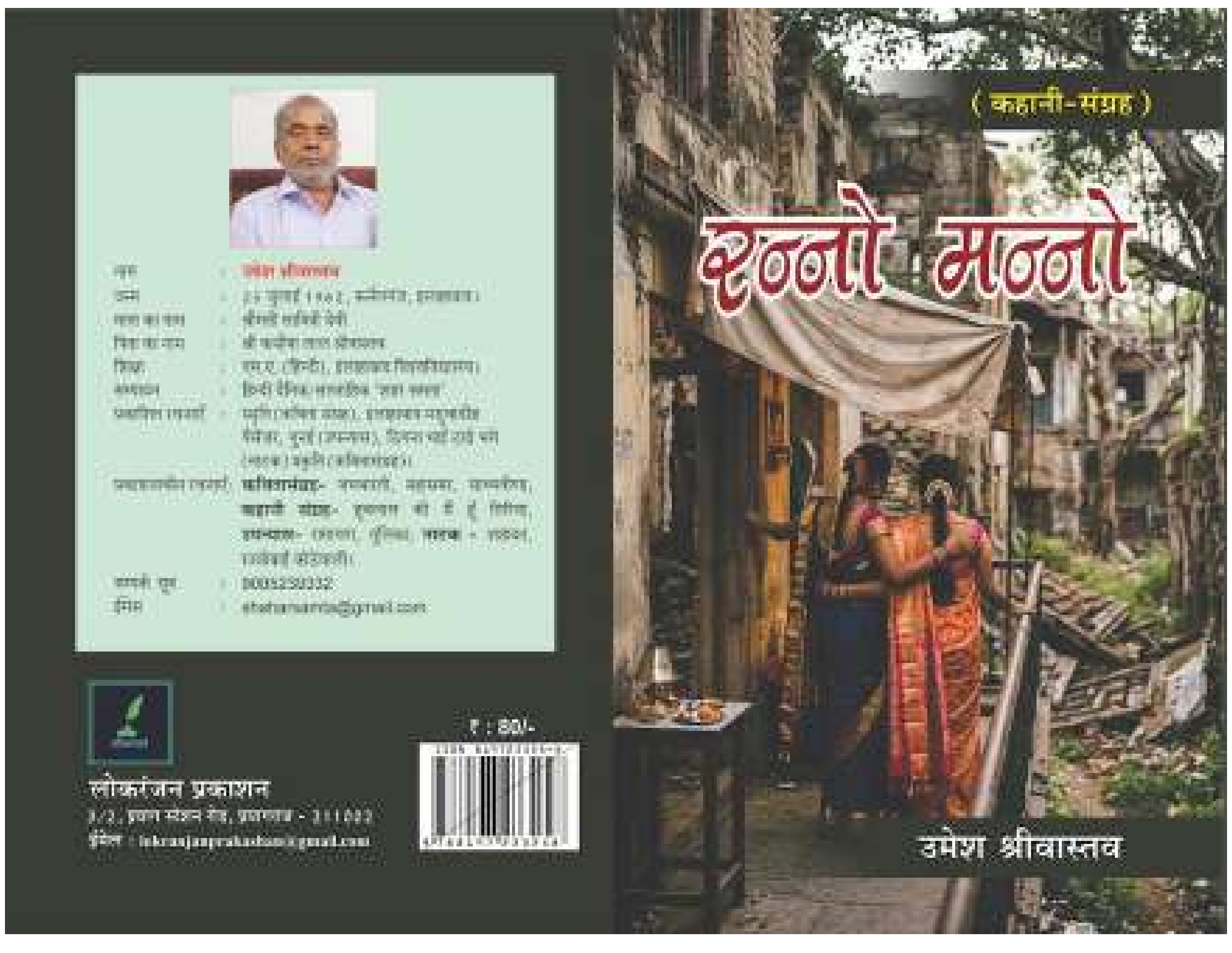

जन–शिकायतें 30 दिन में निपटारा न होने पर होगी कड़ी कार्रवाई–सीएम

पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 8 सितंबर को कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समाधान करना और उन्हें न्याय दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए सहयोग कार्यक्रम को एक अहम जरिया बताया। पटना में मुख्यमंत्री सचिवालय में राज्य–स्तरीय श्सहयोग कार्यक्रमश आयोजित किया गया, जिसमें 137 आवेदकों ने अपनी शिकायतें रखीं। संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को समय पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे श्सहयोग कार्यक्रमश में जनता का भरोसा बनाए रखने पर जोर देते हुए, तय समय–सीमा के भीतर लोगों की शिकायतों को पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निपटाएं। आवेदकों ने राजस्व और भूमि सुधार, शिक्षा, गृह, ग्रामीण कार्य, स्वास्थ्य, खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण, समाज कल्याण और अन्य विभागों से जुड़े मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को तय समय–सीमा के भीतर मामलों का समाधान करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि जरूरी कदम तुरंत उठाए जाएंगे। उन्होंने सलाह दी कि जिन आवेदकों की शिकायतों का समाधान पहले ही हो चुका है, उन्हें पटना में राज्य–स्तरीय कार्यक्रम में आने की जरूरत नहीं है। हालाँकि, जिनके मामले जटिल हैं और जिला स्तर पर हल नहीं हो पाए हैं, वे श्सहयोग कार्यक्रमश के जरिए समाधान पा सकते हैं।

आकृति चौधरीः वो लोगों को हिंसा के लिए उकसा रही थी, कोई सबूत नहीं, रासुका हटने के बाद भी जेल से बाहर न आ पाएंगी

प्रयागराज। गौतमबुद्धनगर जिले में अप्रैल में हुए श्रमिक आंदोलन और हिंसा के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा आकृति चौधरी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत की गई कार्रवाई को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। हालांकि रासुका हटने के बाद भी आकृति की जेल से तत्काल रिहाई नहीं हो सकेगी। गौतमबुद्धनगर जिले के अलग–अलग थानों में दर्ज 11 मुकदमों में से पांच में उन्हें जमानत मिल चुकी है, जबकि छह मामलों में निचली अदालत से अभी जमानत नहीं मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा आकृति चौधरी पर नोएडा श्रमिक आंदोलन के दौरान लगाए लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के आरोपों को रद्द कर यूपी सरकार की कार्रवाई की आलोचना की। कोर्ट ने गौतमबुद्ध नगर के डीएम व अन्य अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उनके वेतन से आकृति को पांच लाख रुपये हर्जाना देने का आदेश दिया। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ ने आकृति की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर दो सितंबर को फैसला सुनाया था। 15 पन्नों का यह फैसला सोमवार को जारी किया गया।

कोर्ट ने अधिकारियों के हद से ज्यादा दखल के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा, यूपी के तानाशाह अफसरों की मनमानी को नहीं रोका गया तो प्रदेश ऑर्वेलियन डिस्टोपिया (जहां लोगों की आजादी पर सरकार का नियंत्रण हो) में बदल सकता है।

अधिकारों और मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का सांविधानिक अधिकार है। प्रदर्शन से कानून–व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के आधार पर लोगों के अधिकार नहीं छीन सकते।

अधिकारियों की हरकतों को सुधार सकता है कोर्ट

कोर्ट ने कहा, जब अफसर अपनी निष्ठा की शपथ के मुताबिक काम करते हैं तो जनता उन्हें ऐसे ऊंचे स्थान से नवाजती है जिससे देवता को भी ईर्ष्या होने लगे। लेकिन जब वे शपथ के उलट काम करते हैं तो लोगों में गुस्सा और नफरत पैदा होती है। ऐसे में यह कोर्ट उनकी ज्यादतियों को सुधारते हुए नागरिक को मुआवजा देने के लिए कड़े आदेश दे सकता है।

कोर्ट ने एनएसए रद्द करते हुए कहा, ऐसा कोई संदेश या वीडियो नहीं है, जिससे साबित हो कि आकृति ने लोगों को हिंसा, आगजनी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाया था। गौतमबुद्धनगर जिले में अप्रैल में हुए श्रमिक आंदोलन और हिंसा के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा आकृति चौधरी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत की गई कार्रवाई को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। हालांकि रासुका हटने के बाद भी आकृति की जेल से तत्काल रिहाई नहीं हो सकेगी।

उनके खिलाफ जिले के अलग–अलग थानों में दर्ज 11 मुकदमों में से पांच में उन्हें जमानत मिल चुकी है, जबकि छह मामलों में निचली अदालत से अभी जमानत नहीं मिली है। हाईकोर्ट में आकृति की ओर से रासुका की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने निवारक निरोध की प्रक्रिया को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे रद्द कर दिया। पुलिस की ओर से गिरफ्तारी के बाद निवारक निरोध का नोटिस दिए जाने की बात सामने आई थी। हालांकि रासुका रद्द होने का असर उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमों पर नहीं पड़ा है। आकृति के अधिवक्ता रजनीश यादव का कहना है कि जल्द ही आकृति की जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी लगाई जाएगी।

सात आरोपियों पर दर्ज हैं 11 एफआईआर

श्रमिक आंदोलन और 13 अप्रैल को हुई हिंसा के मामले में गिरफ्तार सात लोगों के खिलाफ जिले में कुल 11 एफआईआर दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। इनमें एक आरोपी के खिलाफ आठ मुकदमे दर्ज हैं। सभी आरोपी वर्तमान में जेल में हैं।

आरोपियों में पत्रकार सत्यम वर्मा, डीयू की छात्रा आकृति चौधरी, सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदित्य आनंद, डीयू के इतिहास के छात्र हिमांशु ठाकुर, ऑटो चालक रूपेश रॉय, डीयू के विधि छात्र योगेश मीणा, विजुअल आर्टिस्ट एवं सामाजिक कार्यकर्ता सृष्टि गुप्ता और फैक्टरी श्रमिक मनीषा चौहान शामिल हैं।

सृष्टि के घर फोन प्लांट करने का लगाया था आरोप

मामले में आरोपी सृष्टि गुप्ता के अधिवक्ता ने पुलिस पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उनका दावा है कि सृष्टि की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर स्थित उनके घर में साक्ष्य के तौर पर फोन प्लांट करने का प्रयास किया। पुलिसकर्मी सृष्टि का पहले से जब्त फोन घर में रखने की कोशिश करते हैं।

सीसीटीवी कैमरे पर नजर पड़ने के बाद कथित तौर पर यह प्रयास रोक दिया गया। एक अन्य फुटेज में सादे कपड़ों में एक व्यक्ति के सीसीटीवी कैमरे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने का भी दावा किया गया है। दोनों फुटेज 25 अप्रैल के बताए गए हैं। आरोप है कि पुलिस ने अदालत में उनकी गिरफ्तारी की अलग कहानी पेश करने का प्रयास किया। उनके मुताबिक, पुलिस यह दिखाना चाहती थी कि सृष्टि को नोएडा मेट्रो स्टेशन से मनीषा चौहान और रूपेश रॉय के साथ गिरफ्तार किया गया था। परिजनों का दावा है कि 25 अप्रैल को पुलिस सृष्टि को उनके घर लेकर गई थी और वहां फोन रखने का कथित प्रयास किया गया।

कांग्रेस नेताओं ने जलभराव क्षेत्रों का लिया जायजा

प्रयागराज। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल सोमवार को बारिश के बाद जलभराव से जूझ रहे परिवारों से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने अनेक स्थानों का जायजा लिया। इनमें सुलतानपुर खास, छपाई बाग, जोगापुर और पंजाब नेशनल बैंक के आसपास के दर्जनभर स्थान शामिल थे। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष असफाक अहमद और जिला उपाध्यक्ष कलीम अल्ताफ ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी जलभराव प्रभावित परिवारों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाएगी। जरूरतमंदों को राहत दिलाना कांग्रेस की प्राथमिकता है। इस दौरान मो. फारूक, डॉ. अमर सिंह पटेल, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, प्रदीप पांडेय समेत कई नेता मौजूद रहे।

फूलपुर में ओयो होटल के कमरे में बैंक मैनेजर की संदिग्ध मौत, एक महिला हिरासत में

फूलपुर (प्रयागराज)। फूलपुर थाना क्षेत्र के इफको चौकी अंतर्गत ओयो होटल सुदीप में मंगलवार सुबह करीब 40 वर्षीय बैंक मैनेजर महेंद्र कुमार भारतीय संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले। होटल के कमरे में अचेत अवस्था में मिलने के बाद उन्हें सीएचसी फूलपुर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फूलपुर थाना क्षेत्र के इफको चौकी अंतर्गत ओयो होटल सुदीप में मंगलवार सुबह करीब 40 वर्षीय बैंक मैनेजर महेंद्र कुमार भारतीय संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले। होटल के कमरे में अचेत अवस्था में मिलने के बाद उन्हें सीएचसी फूलपुर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरायममरेज थाना क्षेत्र के लोहगजरी खानपुर डांडी के गांव निवासी महेंद्र कुमार भारतीय

पुत्र राधेश्याम वह प्रतापपुर स्थित साईं समर्पण बैंक की शाखा में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि होटल के एक कमरे में महेंद्र कुमार भारतीय अचेत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही फूलपुर थाना पुलिस और इफको चौकी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने उन्हें तत्काल सीएचसी फूलपुर पहुंचाया। सुबह करीब सात बजे चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।

घटना की जानकारी मिलने पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और होटल के कमरे की जांच कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने घटनास्थल से जुड़ी जानकारी जुटाने के साथ ही होटल कर्मियों और अन्य लोगों से भी पूछताछ की।

सूत्रों के अनुसार घटना के समय होटल के कमरे में एक महिला के मौजूद होने की बात सामने आई है। पुलिस द्वारा महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की भी चर्चा है।

थाना प्रभारी शेषनाथ पाल ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। महेंद्र कुमार भारतीय शादीशुदा थे। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

यूपी पुलिस का एक्शन: नैनी में अवैध पटाखा गोदाम पर छापा, 30 बोरी पटाखे जब्त, दिवाली पर होने थे सप्लाई

प्रयागराज। कौशाम्बी में पटाखा फैक्टरी धमाके के बाद पूरे प्रदेश में अवैध फैक्टरियों पर कार्रवाई तेज हो गई है। नैनी पुलिस ने तीन क्विंटल अवैध पटाखा बरामद किया है। पुलिस ने मकान मालिक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

कौशाम्बी में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद पूरे प्रदेश में कार्रवाई की जा रही है। नैनी पुलिस ने सोमवार को चकदोंदी मोहल्ले में एक मकान में अवैध रूप से रखे गए करीब तीन क्विंटल (30 बोरी) पटाखा बरामद किया है। पुलिस ने मकान मालिक सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है।

नैनी पुलिस के अनुसार, चकदोंदी में अवैध रूप से पटाखा स्टोर की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस पहुंची और एक मकान के अंदर छापामार तो उसे वहां करीब तीन क्विंटल पटाखा मिला। पुलिस ने मौके से चोरी की एक स्कूटी भी बरामद की है।

पुलिस ने मकान मालिक हसीन बाबू उर्फ इंतजार और नफीस अहमद निवासी चकदोंदी को गिरफ्तार किया है। अवैध रूप से रखे गए पटाखे को दिवाली पर्व पर यमुना पार में सप्लाई किया जाना था।

वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले ही यहां पर गोदाम किराये पर लेकर पटाखा रखा गया था। वर्ष 2015 में पंजाबी हाता मोहल्ले में एक मकान में अवैध रूप से चल रहे पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

एसीपी करछना कुंजलता ने बताया कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ करते हुए यह जानकारी हासिल की जा रही है कि यह पटाखा कहां से आया और इसमें कौन–कौन शामिल है।

बरेली हिंसा के आरोपी तौकीर रजा की जमानत खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट तौकीर रजा को झटका लगा है। बरेली हिंसा के आरोपी की जमानत अर्जी कोर्ट ने खारिज कर दी है। साथ ही कहा है कि 'गुस्ताख–ए–नबी की एक ही सजा, सर तन से जुदा' की तुलना 'नारा–ए–तकबीर, अल्लाहु अकबर', 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल', 'जय श्री राम' या 'हर–हर महादेव' जैसे धार्मिक नारों से नहीं की जा सकती।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि 'गुस्ताख–ए–नबी की एक ही सजा, सर तन से जुदा' नारा कानून और देश की संप्रभुता–अखंडता को चुनौती देता है। यह नारा लोगों को सशस्त्र विद्रोह के लिए उकसाने वाला है। इसकी तुलना 'नारा–ए–तकबीर, अल्लाहु अकबर', 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल', 'जय श्री राम' या 'हर–हर महादेव' जैसे धार्मिक नारों से नहीं की जा सकती।

इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव ने बरेली में 26 सितंबर 2025 को हुए दंगे के मामले में आरोपी मौलाना तौकीर रजा खान व डॉ.नफीस को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। हालांकि, अन्य आरोपियों की जमानत अर्जी

स्वीकार कर ली।

बरेली हिंसा के आरोपी तौकीर रजा की जमानत अर्जी खारिज

बरेली हिंसा मामले में कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप था कि तौकीर रजा ने इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान पर लोगों को इकट्ठा होने और मुस्लिम समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए उकसाया था। रोक के बावजूद 200 से 250 लोग पहुंचे थे।

पुलिस ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया तो 'सर तन से जुदा' के नारे लगाते हुए पथराव कर दिया गया। पेट्रोल बम और फायरिंग की गई थी। इस दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया था। मामले में तौकीर रजा को मुख्य आरोपी बनाया गया था। इस पर उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दायर की। वह 27 सितंबर 2025 से जेल में हैं।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि वह निर्दोष हैं। उन्हें राजनीतिक दुर्भावना से मामले में फंसाया गया है। उन्होंने हिंसा के लिए कोई अपील नहीं की और न ही वह घटना के समय मौके पर मौजूद थे। 26 सितंबर को घर में नजरबंद कर दिया गया था।

राज्य सरकार का पक्ष

राज्य की ओर से अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने दलील दी कि आरोपी ने 19 सितंबर 2025 की बैठक में लोगों से इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर नमाज के बाद पहुंचने की अपील की थी। घटना के बाद आरोपी ने सह–आरोपी के घर से वीडियो के माध्यम से बड़ी संख्या में पहुंचने वाले लोगों को धन्यवाद दिया और उनके कृत्यों की सराहना की।

कोर्ट ने कहा...कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले कृत्यों को नहीं दी जा सकती मंजूरी

कोर्ट ने पाया कि आरोपी ने शुक्रवार की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों को इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान में एकत्र होने का आह्वान किया था। इसके लिए प्रशासन की अनुमति नहीं ली गई थी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट, दंगा, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करना और कानून–व्यवस्था बिगाड़ने वाले कृत्यों को मंजूरी नहीं दी जा सकती। सभी परिस्थितियों और रिकॉर्ड पर विचार करने के बाद कोर्ट ने तौकीर रजा की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

चौपाल में सपा कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारी में जुटने का आह्वान

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की ओर से क्षेत्र के बौडई गांव में चौपाल का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश

सचिव अरविंद केसरवानी ने कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया। अरविंद केसरवानी ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं। विशिष्ट अतिथि आशुतोष तिवारी ने आरोप लगाया कि मौजूदा समय में भ्रष्टाचार चरम पर है। थाना और तहसील स्तर पर जरूरतमंद लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है। इस दौरान महाबली यादव, शकील इस्माइल, जिला पंचायत सदस्य बेला यादव, राम प्रताप पाल और संतोष कुमार बिंद आदि रहे।

हिमांशु हत्याकांड के विरोध में धरना प्रदर्शन

प्रयागराज। होलागढ़ चौबारा निवासी हिमांशु पासी की हत्या के मामले में कार्रवाई न होने के विरोध में धरना–प्रदर्शन कर एडीएम सिटी को मांग पत्र सौंपा गया। इसका नेतृत्व कांग्रेस नेता मनोज पासी ने किया और संचालन पीसीसी सदस्य आशीष पांडे ने किया। दोनों नेताओं ने एडीएम सिटी से मांग करते हुए कहा कि हत्या को लगभग 6 महीने बीत गए हैं, लेकिन जिला प्रशासन ने जो दो बीघे जमीन देने का वादा किया था, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मनोज पासी ने कहा कि हत्यारों के शस्त्र लाइसेंस अभी तक निरस्त नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अभियुक्तों को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि दलितों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेता आशीष पांडे ने कहा कि दलितों के सम्मान में कांग्रेस पार्टी मैदान में है। कांग्रेस ने सदैव दलितों की लड़ाई लड़ी है। आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। यहां पर रीता सरोज, जितेंद्र सरोज, गिरधारी सरोज एडवोकेट, नंदलाल सरोज एडवोकेट, विनोद सरोज एडवोकेट, महेंद्र द्विवेदी, चंदन यादव, लाला राम सरोज सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

बुलेट की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

प्रयागराज। रिठैया गांव निवासी 70 वर्षीय रामजतन पटेल की सोमवार को बरई का डेरा भुंडा के पास बुलेट की चपेट में आने से मौत हो गई। रामजतन पटेल अपनी नातिन के साथ बाइक से नैनी से रिठैया स्थित अपने घर लौट रहे थे। बरई का डेरा भुंडा के पास एक तेज रफ्तार बुलेट की चपेट में आने से वह घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें रामपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। दोपहर करीब 3 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के पांच बेटे और दो बेटियां हैं। पुलिस ने बुलेट को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी रणविजय सिंह का कहना है कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शरारती तत्वों ने हनुमान जी की मूर्ति खंडित कर मंदिर के बाहर फेंकी

प्रयागराज। कुरेसर गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में सोमवार रात असामाजिक तत्वों ने मूर्ति खंडित कर बाहर फेंक दी। सुबह मंदिर के संरक्षक पारसनाथ दुबे जब पूजा करने गए, तब उन्हें घटना की जानकारी हुई। इस घटना से स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। कुरेसर गांव से करीब 500 मीटर दूर खेत

में करीब 100 साल पहले गौरी शंकर दुबे का मकान था। मकान के निकट ओम प्रकाश दुबे और पारस दुबे के पूर्वजों की ओर से हनुमान मंदिर बनाया गया था। मंदिर की देखरेख दोनों भाई ओम प्रकाश दुबे तथा पारस नाथ दुबे करते हैं। सोमवार की सुबह पारसनाथ जब पूजा करने के लिए मंदिर पहुंचे तो देखा कि हनुमान जी की मूर्ति बाहर खंडित पड़ी है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नवाबगंज पंकज अवस्थी फोर्स के मौके पर पहुंचे। मंदिर के संरक्षक की तहरीर पर घटना की प्राथमिकी दर्ज की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 100 साल पहले मंदिर का निर्माण संरक्षक के पूर्वजों के नाना–नानी ने कराया गया था। बाद में शरारती तत्वों से तंग आकर वे गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास रहने लगे।

–गांव से दूर खेत में स्थित प्राचीन मंदिर की हनुमान प्रतिमा खंडित की गई है। मंदिर के संरक्षक की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। –श्याम जीत प्रमिला सिंह, एसीपी सोरांव

गोदाम से पकड़ा अवैध रूप से रखा तीन क्विंटल पटाखा

प्रयागराज। कौशाम्बी में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद पूरे प्रदेश में कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को नैनी पुलिस ने चकदोंदी मोहल्ले में एक मकान में अवैध रूप से रखे गए करीब तीन क्विंटल (30 बोरी) पटाखा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से मकान मालिक सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है।

नैनी पुलिस के अनुसार, चकदोंदी में अवैध रूप से पटाखा स्टोर की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस पहुंची और एक मकान के अंदर छापामार तो उसे वहां करीब तीन क्विंटल पटाखा मिला। पुलिस ने मौके से चोरी की एक स्कूटी भी बरामद की है।

पुलिस ने मकान मालिक हसीन बाबू उर्फ इंतजार और नफीस अहमद निवासी चकदोंदी को गिरफ्तार किया है। अवैध रूप से रखे गए पटाखे को दिवाली पर्व पर यमुना पार में सप्लाई किया जाना था। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले ही यहां पर गोदाम किराये पर लेकर पटाखा रखा गया था। वर्ष 2015 में पंजाबी हाता मोहल्ले में एक मकान में अवैध रूप से चल रहे पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। एसीपी करछना कुंजलता ने बताया कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ करते हुए यह जानकारी हासिल की जा रही है कि यह पटाखा कहां से आया और इसमें कौन–कौन शामिल है।

सुबह घर से निकला 12 वर्षीय छात्र लापता

प्रयागराज। इफको पुलिस चौकी क्षेत्र के भरौटी गांव से 12 वर्षीय छात्र वैभव सोमवार सुबह लापता हो गया। पिता सूबेदार ने कोतवाली में तहरीर देकर अनहोनी की आशंका जताई है। वैभव केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर में कक्षा पांच का छात्र है। वह सोमवार सुबह करीब पांच बजे घर से पैदल निकला था। बाबूगंज यादव चौराहे के सीसीटीवी फुटेज में वैभव सुबह 5ः45 बजे अकेले दिखा। इसके बाद वह किस दिशा में गया, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द सकुशल बरामदगी की मांग की है।

संक्षिप्त

सत्ता में बैठे लोग विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाकर हिंदू–मुस्लिम के नाम पर राजनीति कर रहे : अबू आजमी

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी मंगलवार को लखनऊ स्थित सपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सहारनपुर में मस्जिद पर हुई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा। आजमी ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाकर हिंदू–मुस्लिम के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। अबू आसिम आजमी ने कहा कि सरकार का विकास से कोई मतलब नहीं है और वह केवल हिंदू–मुस्लिम के मुद्दे के सहारे चुनाव जीतना चाहती है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर होने वाली राजनीति का वह खुलकर विरोध कर रहे हैं। आजमी ने उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की हालत बहुत खराब है। उनका आरोप है कि सरकार को जनता से जुड़े मूल मुद्दों और विकास पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन इसके बजाय धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक बहस का केंद्र बनाया जा रहा है। सहारनपुर में मस्जिद पर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर इस तरह की राजनीति उचित नहीं है। आजमी ने दोहराया कि वह धर्म के नाम पर राजनीति का खुला विरोध करते हैं।

बलरामपुर अस्पताल में सफाई कर्मचारीयों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के बलरामपुर अस्पताल, सिविल अस्पताल समेत सरकारी अस्पतालों में मंगलवार को सफाई कर्मचारियों ने काम ठप कर दिया। कर्मचारी उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम में शामिल करने और लंबित वेतन बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। सफाई कर्मचारियों के काम बंद करने से अस्पतालों की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई। कई जगह कूड़ा और गंदगी दिखाई दी। बलरामपुर अस्पताल में मंगलवार को बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी जुटे और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें 1 जनवरी 2022 से सफाई और बागवानी के काम के लिए तैनात किया गया था। अनुबंध के अनुसार एक साल पूरा होने पर वेतन में 5: बढ़ोतरी का प्रावधान था। इसके बाद दो साल के लिए अनुबंध बढ़ाया जाना था। यह अवधि भी पूरी हो चुकी है। कर्मचारियों के मुताबिक, 1 जनवरी 2025 से वेतन बढ़ोतरी लंबित है। इसके बावजूद अब तक वेतन नहीं बढ़ाया गया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से मांग के बावजूद सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने काम बंद कर आंदोलन शुरू किया है।

नगर निगम मुख्यालय पर सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में नगर निगम मुख्यालय पर सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि एलएसए कंपनी के अधिकारी उनके साथ मनमानी कर रहे हैं। कर्मचारियों ने कंपनी के अधिकारियों पर उत्पीड़न का भी आरोप लगाया है। फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड के सफाई कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया है। कर्मचारियों का आरोप है कि कंपनी की ओर से उन्हें पर्याप्त संसाधन नहीं दिए जा रहे हैं, लेकिन उनसे काम कराया जा रहा है। कर्मचारियों ने समय पर वेतन नहीं मिलने की शिकायत भी की है। कर्मचारी रेशमा ने बताया कि कर्मचारी सुबह 4 बजे आ जाते हैं और अंगूठा लगाकर हाजिरी दर्ज करते हैं। लेकिन जाने का कोई तय समय नहीं है। सैलरी देने के समय भी अधिकारी ध्यान नहीं देते। दो महीने हो जाते हैं, लेकिन कर्मचारियों को समय पर सैलरी नहीं मिलती। अर्जुन का कहना है कि एलएसए के एचआर वैभव त्रिपाठी और जोनल अधिकारी संसाधन उपलब्ध नहीं कराते। कर्मचारियों से काम कराया जाता है, लेकिन ट्रैक्टर, ट्रॉली और लोडर में ड्राइवर की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। इससे पार्षदों की बदनामी होती है, जबकि पार्षदों की कोई गलती नहीं है। अर्जुन का आरोप है कि एलएसए के वैभव त्रिपाठी और जोनल अधिकारी कहते हैं कि हर कर्मचारी से 2–3 हजार रुपए दिलाओ, वरना उन्हें हटा देंगे।

डिप्टी सीएम आवास पर आयुष छात्रों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के आवास के बाहर आयुष छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शन किया। नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के दर्जनों छात्रों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। छात्रों का कहना है कि 2011 से उनके स्टाइपेंड में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। फिलहाल उन्हें हर महीने 7,500 रुपए मिलते हैं। वहीं, उनके साथ पढ़ने वाले एमबीबीएस और बीडीएस डॉक्टरों के स्टाइपेंड में दो बार बढ़ोतरी हो चुकी है। प्रदर्शन के दौरान यूपीएसएसएससी फार्मासिस्ट भर्ती के अभ्यर्थी भी डिप्टी सीएम आवास पहुंचे। उन्होंने 564 पदों पर भर्ती शुरू करने और पदों की संख्या बढ़ाने की मांग की। अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की भी मांग की। वहीं, सिविल अस्पताल के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। अलग–अलग मांगों को लेकर कई प्रदर्शनकारी डिप्टी सीएम आवास पहुंचे। इससे वहां काफी देर तक हलचल रही। जानकारी मिलने पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक बाहर आए और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। उन्होंने सभी की समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवती की मौत, अस्पताल में तोड़ा दम

लखनऊ (संवाददाता)। तेलीबाग मार्केट में मंगलवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से 21 वर्षीय युवती की मौत हो गई। हादसा वरदानी हनुमान मंदिर के सामने सुबह करीब छह बजे हुआ। टक्कर लगने के बाद युवती गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायल तहसीन बानो (21) पुत्री खुर्शीद अहमद, निवासी ब्रिज विहार कॉलोनी, तेलीबाग को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, पीजीआई पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। परिजनों के मुताबिक,तहसीन गोमतीनगर में एक कॉल सेंटर में नौकरी करती थी। वह तीन बहनों में सबसे बड़ी थी। उसकी दो छोटी बहनें तहरीन बानो और अनाया हैं। पिता पिकअप भवन में गार्ड की नौकरी करते हैं। बेटी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नदी विशेषज्ञ समाज शेखर ने रामायण वर्णित बकुलाही व बारुठी नदियों का किया भ्रमण

प्रतापगढ़। नदी विशेषज्ञ सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने श्री रामायण वर्णित बकुलाही व बारुठी नदी का भयहरणनाथ धाम क्षेत्र में भ्रमण कर नदी क्षेत्र का व्यापक जायजा लिया। सराय भूपति ग्राम में बकुलाही नदी में बारुठी जल धारा का बिहंगम संगम का दृश्य अपनी प्राचीन आभा को पुनर्जागृत कर रहा है। दोनों जल धाराओं में अथाह जल प्रवाहित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह परम पवित्र प्राचीन नदियों का वर्तमान संगम स्वरूप उप–प्रयाग की संज्ञा को ग्रहण करता है। यहाँ का प्राचीन बुढ़िया माई का स्थान प्राचीन पौराणिकता व इतिहास को संजोये है।

ज्ञातव्य हो कि वाल्मीकि रामायण (अयोध्या काण्ड) में इस क्षेत्र का वर्णन इस श्लोक में मिलता है –सोऽपश्यत् रामतीर्थं च पुण्यं बकुलाहिनीं नदीम्। बारुठीं च महापुण्यां संगमं च तयोः शुभम्ध अर्थात् श्रीराम वनगमन के समय उन्होंने इस पुण्य रामतीर्थ, बकुलाहिनी (बकुलाही) व महापुण्य बारुठी नदी और उनके शुभ संगम के दर्शन किए। जिला भूगर्भ जल परिषद के नामित सदस्य समाज शेखर ने कहा कि नदी बेसिन की सुरक्षा व नदी की स्वच्छता के लिए सरकार व समाज को निरंतर प्रयास करने होंगे तभी हमारी प्राचीन नदियाँ हमारा कल्याण कर सकेंगी। इस अवसर पर कटरा गुलाब सिंह नागरिक परिषद के अध्यक्ष लाल जी सिंह व महामंत्री राजीव नयन मिश्र शामिल रहे।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्थानीय परिवाद समिति गठित

डा. सोनिका शर्मा अध्यक्ष, 10 से कम कर्मचारियों वाले संस्थानों की शिकायतों की होगी सुनवाई

मथुरा। कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने स्थानीय परिवाद समिति का गठन किया है। समिति कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई कर उनका विधिसम्मत निस्तारण करेगी।

जिलाधिकारी कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार समिति का गठन कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम–2013 की धारा 7(1) के तहत किया गया है। डा. सोनिका शर्मा को

समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समिति में शशि मिश्रा (सीडीपीओ), पूजा चौधारी (एनजीओ प्रतिनिधि) और मंजू रानी (विधि पृष्ठभूमि) को सदस्य बनाया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी पदेन सदस्य होंगे।

समिति उन संस्थानों और कार्यस्थलों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगी, जहां 10 से कम कर्मचारी होने के कारण आंतरिक परिवाद समिति गठित नहीं है। इसके अलावा नियोक्ता के खिलाफ आने वाली शिकायतों पर भी समिति सुनवाई करेगी।

डा. सोनिका शर्मा ने कहा कि प्रत्येक महिला को कार्यस्थल पर सम्मानजनक, सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण मिलना उसका अधिकार है। समिति शिकायतों की सुनवाई में गोपनीयता और संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखते हुए उचित निस्तारण सुनिश्चित करेगी।

1.07 करोड़ की बिक्री के साथ ई-सरस पर यूपी नंबर-1 : केशव

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध

कराने के लिए विकसित ई–सरस पोर्टल पर उत्तर प्रदेश ने देश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 30 जून तक प्रदेश के 1,537 ग्रामीण उत्पाद ई–सरस पर ऑनबोर्ड किए जा चुके हैं तथा सभी प्लेटफॉर्म को मिलाकर 1.07 करोड़ की कुल बिक्री दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश ई–सरस पर सर्वाधिक उत्पाद ऑनबोर्ड करने वाला राज्य बना है और 1 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज करने वाला देश का पहला राज्य भी बना है। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाएं अब केवल परिवार की आर्थिक आधारशिला ही नहीं, बल्कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और उद्यमिता की नई पहचान बन रही हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में ग्रामीण महिलाओं के हुनर को बाजार से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है।मिशन निदेशक अरुण कुमार के अनुसार स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के स्थानीय, पारंपरिक, हस्तशिल्प, खाद्य एवं अन्य उत्पादों को डिजिटल बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बिजनौर के लकड़ी उत्पाद, फर्रुखाबाद के बैग एवं शर्ट, बुलंदशहर के खुर्जा की क्रॉकरी, मेरठ के फुटबॉल, वाराणसी के लकड़ी उत्पाद तथा फिरोजाबाद की प्रसिद्ध कांच की चूड़ियां ई–सरस के माध्यम से देशभर के ग्राहकों तक पहुंच रही हैं।श्री मौर्य ने कहा की उत्तर प्रदेश महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आर्थिक मजबूती का अग्रणी केन्द्र बनकर उभर रहा है, यह उपलब्धि केवल बिक्री का आंकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास, कौशल, उद्यमशीलता और आर्थिक आत्मनिर्भरता की मजबूत तस्वीर है। गांव के उत्पादों को डिजिटल बाजार से जोड़ने की यह पहल महिला उद्यमिता को नई गति दे रही है और प्रदेश में "1 करोड़ लखपती दीदी" के संकल्प को मजबूत आधार प्रदान कर रही है।

यूपी में बड़े निवेश के लिए उद्योग जगत उत्साहित- रामी रेड्डी

अनुशासन, सुरक्षा और बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर से यूपी बनेगा वस्त्रोद्योग का प्रमुख केंद्र
यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए उद्योग जगत बड़े निवेश को लेकर उत्साहित है। श्यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव–2026श के उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यसभा सदस्य, उद्योगपति, समाजसेवी तथा रामकी समूह के फाउंडर एवं चेयरमैन अल्ला अयोध्या रामी रेड्डी ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अनुकूल वातावरण की जमकर सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे तेज विकास और बेहतर औद्योगिक वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब उद्योगों के लिए निवेश और विकास की संभावनाओं वाला महत्वपूर्ण गंतव्य बनकर उभरा है ।रामी रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस गति से देश आगे बढ़ रहा है, उसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उत्तर प्रदेश को नई सोच, अनुशासन और नियंत्रण के साथ आगे ले जा रहे हैं। प्रदेश में अनुशासन, नियंत्रण और सुरक्षा का वातावरण उद्योगपतियों में निवेश का भरोसा पैदा करता है। उद्योगपति अपना पैसा वहीं लगाना चाहते हैं, जहां उन्हें सुरक्षा के साथ स्थिर और भरोसेमंद वातावरण मिले। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही संसाधनों से समृद्ध है। प्रदेश में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व और सक्षम प्रशासनिक नेतृत्व उद्योग जगत को यह विश्वास दे रहा है कि यहां आकर निवेश किया जा सकता है और कारोबार को आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे प्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं ।श्री रेड्डी ने कहा कि वस्त्रोद्योग देश के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण उद्योगों में से एक है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस क्षेत्र का विकास हो रहा है, लेकिन तमिलनाडु ने वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए तमिलनाडु जैसे राज्यों के सफल अनुभवों से सीख लेते हुए अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ठोस दृष्टि और कार्ययोजना तैयार करनी होगी। इसके लिए प्रदेश सरकार और उद्योग जगत को मिलकर आगे बढ़ना होगा। लखनऊ के आसपास तथा पूरे प्रदेश में चार–पांच स्थानों पर बनाए जा रहे वस्त्रोद्योग केंद्र और पार्क इस दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि योगी सरकार वस्त्रोद्योग को लेकर गंभीरता से काम कर रही है और इस क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक विकास की तैयारी की जा रही है। राज्य सरकार की ओर से स्थिर वातावरण, बेहतर आधारभूत ढांचा और सस्ती उपयोगी सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण है। श्वॉक टु वर्कश कॉसेप्ट के साथ निजी क्षेत्र की श्रेष्ठ औद्योगिक इकाइयों को इन केंद्रों में लाए जाने स उद्योग व श्रमिक, दोनों को लाभ होगा। वस्त्रोद्योग का समग्र विकास तेजी से हो सकेगा ।रामी रेड्डी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के वस्त्रोद्योग क्षेत्र में बड़े निवेश की आवश्यकता है।

इच्छाओं का त्याग

(छप्पय)

अहंकार का दान कौन कर पाया है।
भौतिक यह संसार मात्र इक माया है।
बातें करें अनेक मगर दूजों के खातिर।
सच केवल है एक यहाँ पर सभी मुसाफिर।
घर को जो अपना कहें वह भी है यह जानते।
सभी किराएदार हैं फिर भी भ्रम को पालते।।

खान–पान व्यवहार मुक्त हो मकड़जाल से।
रचते मधुर विधान विषय तज ज्ञान–ध्यान से।
धर्मसभा की बात मगर लगती है अच्छी।
इच्छाओं का त्याग तपस्या होती सच्ची।
क्रोध लोभ ईर्ष्या सभी साधन बने विकार के।
खुशियों का करके दमन साथी दिखें सुधीर के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

समय से पूरी हो पेयजल योजनाये, लापरवाही पर होगी कार्रवाई– स्वतंत्र देव

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर पेयजल आपूर्ति के साथ लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा देने पर जोर दे रही है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मानसून के बाद अक्टूबर से पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर सड़क की मरम्मत का अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को अभियान से जुड़ी सभी तैयारियां समय से पूरी करने को कहा है ताकि पेयजल योजनाओं के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द दुरुस्त कर ग्रामीणों को राहत दी जा सके ।जलशक्ति मंत्री ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न पेयजल योजनाओं की मंडलवार समीक्षा की। ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई स्थानों पर सड़कें खोदी गई हैं। मानसून के दौरान बारिश के कारण इन मार्गों पर लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अक्टूबर से अभियान चलाकर इन सड़कों को दोबारा भरकर, समतल करते हुए दुरुस्त किया जाए। जलशक्ति मंत्री ने अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं से क्षेत्र भ्रमण व रात्रि प्रवास के संबंध में फीडबैक लिया। एई और जेई को रात्रि प्रवास करने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं के काम की मौके पर नियमित निगरानी हो सके ।निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय में जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

2.04 लाख शिक्षक सेन्सिटाइजेशन वीडियो देख हुए ऑनबोर्ड

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समावेशी शिक्षा को मजबूत करने के लिए शिक्षकों को बच्चों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनाने पर विशेष जोर दे रही है। प्रशस्त 2.0 के माध्यम से बच्चों की स्क्रीनिंग से पहले शिक्षकों को सेन्सिटाइजेशन वीडियो से जोड़ने का अभियान गति पकड़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार अब तक 2,03,823 शिक्षक प्रशस्त 2.0 पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं तथा वीडियो देख रहे हैं, इनमें रामपुर में 44.38 प्रतिशत, झांसी में 39.27 प्रतिशत, पीलीभीत में 31.95 प्रतिशत, शाहजहांपुर में 28.42 प्रतिशत और बलिया में 24.74 प्रतिशत शिक्षकों की सहभागिता दर्ज हुई है। इसके अलावा फतेहपुर, मथुरा, गोंडा, सीतापुर, बरेली और बस्ती की भी अच्छी सहभागिता रही ।यह डिजिटल पहल शिक्षक को संवेदनशील, सजग और सक्षम बनाकर विद्यालयों में अधिक सहयोगी वातावरण तैयार करने तथा दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशस्त एप एवं पोर्टल पर 40 मिनट के 10 सेन्सिटाइजेशन वीडियो उपलब्ध हैं। राज्य के सभी बोर्डों के सरकारी परिषदीय, प्राइवेट एडेड और प्राइवेट अनएडेड विद्यालयों के शिक्षकों को ये वीडियो देखना अनिवार्य किया गया है। बच्चों की स्क्रीनिंग से पहले शिक्षकों में आवश्यक संवेदनशीलता और समझ विकसित करना प्रक्रिया का प्रमुख उद्देश्य है। मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को संबंधित शिक्षकों को सेन्सिटाइजेशन वीडियो देखने के लिए निर्देशित करते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-नीलामी सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०)/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के आवंटन के लिये ई-नीलामी (E-Auction) किया जाना है जिसका विवरण निम्नवत है–
आवंटन कैटलाग न: BSB-STATICGEN-3
क्रम सं०-01, जल नदियारी ठाटाबों के आवंटन हेतु सेक्शन का विवरण: फेफना जं. रेलवे स्टेशन (रहित) से गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन (रहित), अवधि: 03 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि: 21-09-2026, ई-नीलामी का समय: 10:00 बजे से 10:50 बजे तक।
क्रम सं०-02, जल नदियारी ठाटाबों के आवंटन हेतु सेक्शन का विवरण: गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन (सहित) से औड़िहार जं. रेलवे स्टेशन (रहित), अवधि: 03 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि: 21-09-2026, ई-नीलामी का समय: 10:00 बजे से 10:50 बजे तक।
क्रम सं०-03, जल नदियारी ठाटाबों के आवंटन हेतु सेक्शन का विवरण: बलिया रेलवे स्टेशन (सहित) से बांसडीह रेलवे स्टेशन (सहित), अवधि: 03 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि: 21-09-2026, ई-नीलामी का समय: 10:00 बजे से 10:50 बजे तक।
नोट: • ई-नीलामी (E-Auction) IREPS पोर्टल पर ऑनलाईन होगी। • ई-नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के लिये इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर रु. 10,000/- (Non Refandable) ऑनलाईन जमा कर एक बार पंजीकरण (One Time Registration) करना आवश्यक है, साथ ही उसके पास SBI (स्टेट बैंक आफ इण्डिया) में करेंट खाता हो, जिसे IREPS पोर्टल से लिंक करना आवश्यक होगा। EMD कांट्रेक्ट की वार्षिक कीमत का 10 प्रतिशत होगी जिसका भुगतान आनलाइन उसी खाते से होगी। • ई–नीलामी (E-Auction) से सम्बंधित नियम एवं शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल www.ireps.gov.in के E-Auction Leasing Section में उपलब्ध है।
सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, वाराणसी
मुजवि/वाणिज्य-127
ट्रेनों में चोरी/विस्फोटक न लिये।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना संख्या 7320262027 दिनांक: 05.09.2026
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 25.09.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा नं: 156	अनुमानित मूल्य (रू): 6,88,82,713.95
कार्यो का विवरण: (अ) सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत रेलवे लोको स्टॉफ के लिए एम.डी.डी.टी.आई./कानपुर में क्लास रूम के लिए नए भवन के विस्तार का कार्य। (ब) सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत रेलवे लोको स्टॉफ के लिए एम.डी.डी.टी.आई./कानपुर में क्लास रूम के लिए नए भवन के विस्तार में इलेक्ट्रिकल का कार्य।		
बयाने की रकम (रू): 13,77,700.00		कार्य समापन की अवधि: 12 माह
इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: (अ) भवन कार्य घटक के लिए: घटक का मान = 6,25,77,209.57 समान कार्य की परिभाषा - भवन निर्माण। (ब) इलेक्ट्रिकल घटक के लिए घटक का मान = 63,05,504.38 समान कार्य की परिभाषा - एचटी/एलटी इंस्टॉलेशन (हाई टेंशन/लो टेंशन) से जुड़े किसी भी इलेक्ट्रिकल काम का संतोषजनक निष्पादन।		
क्र.सं.: 2	निविदा नं: 157	अनुमानित मूल्य (रू): 3,41,24,642.83
कार्यो का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत सीटा हॉस्टल में सुधार और सीटा हॉस्टल में बैडमिंटन कोर्ट हॉल की सुविधा का कार्य।		
बयाने की रकम (रू): 6,82,500.00		कार्य समापन की अवधि: 10 माह
इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: कन्स्ट्रक्शन ऑफ बिल्डिंग		
निविदा खुलने की तिथि: 25.09.2026 प्रत्येक निविदा हेतु।		

नोट:- 1. आन लाइन निविदा दिनांक 25.09.2026 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 25.09.2026 तक उपलब्ध है। 2050/26(K)
North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय........

इसरो की कामयाबी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर उसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसे इसरो की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है कि क्योंकि यह इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल–टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत–खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा। मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी–एफ 17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है। दरअसल, इस कक्षा में काम करने वाले उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह लक्षित बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी करते हुए मौजूदा समय के फोटोग्राफ लगातार दे सकता है। जिससे मौसम, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन व भूमि की सतह में होने वाली बदलावों के निहितार्थों को समझना आसान हो सकेगा। दरअसल, इस उपग्रह का लाभ अंतरिक्ष अनुसंधान व सामरिक लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह खेती व किसानों के लिये भी उतना ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे मिलने वाले डेटा का प्रयोग हमारे भू–भाग पर उपलब्ध संसाधनों की निगरानी व उसकी प्रकृति में आ रहे बदलावों को समझने में भी मददगार होगा। दावा है कि उपग्रह से मिलने वाले चित्रों के विश्लेषण से फसलों की गुणवत्ता, प्राकृतिक प्रभावों के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकेगी। आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण व इस कार्य में लगी सरकारी एजेंसियों की मदद से खेती से जुड़ी नीतियों के निर्धारण, प्रभावी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह भी कि देश के विभिन्न भागों में आने वाले चक्रवात, बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा कुदरती रौद्र के दौरान जहां रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी, वहीं बचाव व राहत के नीति निर्धारण में भी समय रहते मददगार होगी। दरअसल, धरती की निगहबानी करने वाले उपग्रह प्रभावित क्षेत्रों के चित्र व आंकड़े तुरंत उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो राहत–बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। निस्संदेह, आज देश का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों की ओर उन्मुख है। देश में 450 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है। देश की निजी कंपनियां भी ऑर्बिट तक रॉकेट पहुंचाने लगी हैं। कह सकते हैं कि देश आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से लाभप्रद स्पेस इकोसिस्टम बनाने की ओर बढ़ चुका है।

नशामुक्त भारत की ओर मजबूत कदम

रोहित माहेश्वरी

केंद्र सरकार ने देश से मादक पदार्थों के खात्मे और युवाओं को सुरक्षित रखने के लिए कई बड़े स्तर के कदम उठाए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में 2029 तक भारत को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाने का एक व्यापक रोडमैप पेश किया है, जिसका मुख्य लक्ष्य 2047 के श्विकसित भारतश् के संकल्प को साकार करना है। केंद्र सरकार ने जुलाई 2026 से जुलाई 2029 तक का तीन वर्षीय रोडमैप तैयार कर लिया है। यह रोडमैप चार स्तंभों पर आधारित है। खुफिया जानकारी और अभियान आधारित प्रवर्तनय पूर्वगामी और कृत्रिम दवाओं पर नियंत्रणय मांग और नुकसान में कमीय और चौथा – क्षमता निर्माण और समन्वय। ये सभी स्तंभ मिलकर ड्रग सरगनाओं की फाइलें तैयार करेंगे, पिछड़े–अग्रणी संबंधों पर समन्वय स्थापित करेंगे और व्यावसायिक मात्रा से जुड़े हर मामले की वित्तीय जांच के माध्यम से शिकंजा कसेंगे। भारत एक युवा राष्ट्र है, जहां 40 फीसदी आबादी 18 वर्ष से कम आयु की है। लेकिन इस युवा ऊर्जा को नशे की लत कमजोर कर रही है। नशे की लत, जिसे अंग्रेजी में सब्सटेंस एब्यूज कहा जाता है, में अल्कोहल, गांजा, अफीम, कोकीन, एलएसडी और अन्य नशीले पदार्थ शामिल हैं। युवा अवस्था में यह समस्या इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यह मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करती है और लंबे समय तक चलने वाली स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, युवाओं में नशे की शुरुआत आमतौर पर 12–17 वर्ष की आयु में होती है, जो उनके भविष्य को जोखिम में डाल देती है। भारत के युवाओं में नशे की लत का बढ़ता ग्राफ एक गंभीर और चिंताजनक समस्या बन चुका है। आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में भारत में लगभग 1.6 करोड़ युवा नशे की चपेट में हैं, और विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि देश के लगभग 21.4 फीसदी किशोर मध्यम से उच्च स्तर के नशीले पदार्थों के सेवन के जोखिम पर हैं। यह लत न केवल युवाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, बल्कि उनके भविष्य, परिवार और पूरे समाज को भी नुकसान पहुंचा रही है। नशीले पदार्थों का व्यापार एक ऐसा अपराध है जो हमारी आने वाली पीढ़ियों को तबाह कर सकता है। नशीले पदार्थों से होने वाली कमाई का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए भी किया जाता है। 2014 से पहले यह लड़ाई टुकड़ों में लड़ी जाती थी और छोटी–मोटी जब्ती और कुछ आरोपियों को पकड़ने से ही संतोष मिलता था। लेकिन 2019 से मोदी सरकार ने इस विषय को राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता बना दिया है। नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई अब फाइलों और अलग–अलग एजेंसियों की कार्रवाई से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर एक समन्वित और निरंतर अभियान बन गई है। 2019 में, चार स्तरीय एनसीओआरडी तंत्र बनाया गया था। केंद्रीय एजेंसियों, राज्य सरकारों और उनके विभागों के समन्वय से, बड़े नेटवर्क, अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और परिचालन कमियों को दूर करने के लिए एक वैज्ञानिक पद्धति अपनाई गई। मादक पदार्थों के आदी युवाओं के पुनर्वास के लिए श्1933श् मानस हेल्पलाइन शुरू की गई। मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के कैडर का पुनर्गठन किया गया। निदान पोर्टल के माध्यम से मादक पदार्थों के अपराधियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाया गया। नशीले पदार्थों से जुड़ा आतंकी मॉड्यूल दुनिया के कई देशों में सक्रिय है और आज पूरी दुनिया इस समस्या से जूझ रही है। मोदी सरकार ने 2019 से इसे रोकने के लिए एक मजबूत व्यवस्था लागू की है। इसके लिए व्यवस्था में बदलाव किए गये हैं, नेटवर्क को पकड़ा है, वित्तीय श्रृंखला को तोड़ा है और नशे के आदी लोगों को नशे से मुक्ति दिलाने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया है। आंकड़ों के आलोक में बात करें तो यूपीए के दस साल के शासनकाल में 26 लाख किलोग्राम ड्रग्स जब्त की गई, जिनकी कीमत लगभग 40,000 करोड़ रुपये थी। वहीं, मोदी सरकार के अब तक के 12 साल के में यह जब्ती बढ़कर 1 करोड़ 19 लाख किलोग्राम से अधिक हो गई है, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 89 हजार करोड़ रुपये है। 2004 से 2014 तक 3 लाख 36 हजार किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए गए, जबकि 2014–26 में 48 लाख 68 हजार किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए गए हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी सरकार देश की सबसे बड़ी राष्ट्रीय लड़ाइयों में से एक के रूप में मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई को मजबूती और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा रही है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए सीमाओं और समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाई गई है। जिस तरह नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई थी, उसी तरह ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और स्थानीय पुलिस मिलकर काम कर रहे हैं। सरकार ने ड्रग ट्रैफिकिंग के खिलाफ श्जीरो टॉलरेंसश् की नीति अपनाई है, जिसके तहत करोड़ों रुपये के नशीले पदार्थों को जब्त कर नष्ट किया गया है। सीमा पार से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक से लैस किया गया है और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय बढ़ाया गया है। इस बहुआयामी दृष्टिकोण के जरिए सरकार का प्रयास न केवल ड्रग्स की सप्लाई चेन को तोड़ना है, बल्कि समाज में इसके प्रति चेतना जगाकर मांग को भी पूरी तरह खत्म करना है। बीते अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने श्नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियानश् की शुरुआत की है। नशा मुक्त भारत अभियान देश के सबसे प्रभावित जिलों में चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं, शिक्षण संस्थानों और समुदायों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय मिलकर इस अभियान को जमीनी स्तर पर लागू कर रहे हैं। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 25 करोड़ नागरिकों से संपर्क कर उन्हें शपथ दिलाई गई है। उपचार एवं पुनर्वास के तहत 5 लाख 70 हजार नागरिकों को नशामुक्त किया गया है। सरकार केवल कार्रवाई पर ही नहीं, बल्कि नशे की लत से जूझ रहे लोगों के इलाज और पुनर्वास पर भी ध्यान दे रही है। इसके लिए देश भर में परामर्श और नशामुक्ति केंद्र खोले गए हैं। सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग और जेल प्रशासन मिलकर नशामुक्ति केंद्रों की संख्या को तीन गुना बढ़ाकर 1,751 करने जा रहे हैं। इस अभियान में लगभग 10,000 स्वयंसेवक अपनी सेवाएं देंगे। वहीं एनसीसी, एनएसएस और माय भारत के माध्यम से लाखों श्नशामुक्ति मित्रश् तैयार करने की भी योजना है। नक्सलवाद और आतंकवाद की तरह ही ड्रग्स का नेटवर्क भी देश की आंतरिक सुरक्षा और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। इस पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के लिए प्रशासनिक सख्ती के साथ–साथ सामाजिक चेतना और परिवारों की सजगता भी उतनी ही जरूरी है। पीएम मोदी युवा पीढ़ी को भारत की श्अमृत पीढ़ीश बताते हैं। उनका मत है कि युवाओं की ऊर्जा, कल्पनाशीलता और प्रतिभा देश को 2047 के विकास लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में देश के भविष्य और आपके अपने जीवन के लिए, व्यसन से मुक्त रहना अत्यंत आवश्यक है। जब गृह मंत्री अमित शाह यह कहते हैं कि, देश से नशे की समस्या को भी उसी तरह खत्म करेंगे जैसे नक्सलवाद की समस्या का खात्मा किया है तो देशवासी उन पर पूरा भरोसा करते हैं। क्योंकि मोदी सरकार बरसों पुरानी आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या की अच्छे से नकेल कस चुके हैं। सरकार ही नहीं देशवासियों को भी भरोसा है कि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा बचाएंगे और विकसित भारत के संकल्पों को आगे बढ़ाएंगे।

मोदी के भाषण में गायब छात्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषणों और बयानों को सुनकर ऐसा आभास होने लगा है कि उनके दिलों दिमाग पर सत्ता खोने का डर बुरी तरह छा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में छात्रों को संबोधित किया। उनकी कोशिश थी कि इंस्टाग्राम रील बनाकर जिस जेन जी को अपने साथ न किया जा सका, कम से कम उसे आमने–सामने संबोधित कर प्रभावित किया जाए। लेकिन वहां भी मोदी नाकाम दिखे। उन्होंने इस संस्थान के पूर्व छात्रों को जेन जी की भाषा में ओजी यानी ओरिजनल गैंग्स्टर बताया और कहा कि वे धुरंधर भले न हों, पर दुनियाभर में धूम तो मचाई है। यह बात समझ से परे है कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा व्यक्ति किस तरह इतने हल्के अंदाज में बात कर सकता है। मोदी को तो किसी भी तरह राहुल गांधी से होड़ करनी है। लेकिन मोदी भूल रहे हैं कि राहुल गांधी अपनी भाषा का स्तर नहीं गिराते, कोई छिछोरेपन की बात युवाओं से नहीं करते। बल्कि वे छात्रों से जुड़ने के लिए सीधा संवाद करते हैं। छात्रों की गूंज हो या फिर कोई और मंच राहुल के साथ अपने विचार साझा करने के लिए युवाओं में उत्साह देखा जाता है, जो मोदी के कार्यक्रमों में नदारद रहता है। इसलिए शायद जब मोदी एसआरसीसी गए तो मेट्रो से सफर किया, कुछ वीडियो आए हैं, जिसमें वो छोटे बच्चों यानी जेन अल्फा से बात कर रहे हैं, लेकिन क्या बात कर रहे हैं, यह पता नहीं क्योंकि वीडियो से आवाज हटा दी गई है। अगर मोदी को आम लोगों की तरह खुद को दिखाने का शौक है तो फिर उन्हें अपने प्रचार के तरीके भी बदलने पड़ेंगे। खैर मोदी जब एसआरसीसी पहुंचे तो उनका पूरा भाषण चुनावी अंदाज में राहुल गांधी, पिछली कांग्रेस सरकार और बाकी विपक्ष पर हमले में बीता। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार स्वतंत्रता दिवस भाषण में इस्तेमाल किए गए श्दिमागी नक्सलश् शब्द को दोहराया और कहा कि लाल किले से उन्होंने इस नाम की जैसे ही श्होम्योपैथी की गोलीश् दी, वैसे ही देश में मौजूद श्दिमागी नक्सलश् एक–एक करके सामने आने लगे। वहीं मोदी ने राहुल के छात्र संवाद अभियान श्छात्रों की गूंजश् पर भी तंज कसते हुए उसे श्झूठ की गूंजश् करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि श्सच की हुंकारश् के आगे झूठ की गूंज टिक नहीं सकेगी। लेकिन समस्या ये है कि मोदी तय नहीं कर सकते हैं कि सच क्या है और झूठ क्या। यह तो देश की जनता देख रही है कि मोदी की प्राथमिकताओं में छात्र कहीं हैं ही नहीं। अगर होते तो न जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की जरूरत पड़ती और न दिल्ली से लेकर बिहार तक छात्रों पर पुलिस अत्याचार की खौफनाक कहानियां सामने आतीं। राहुल गांधी को भी छात्रों की गूंज करने की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन अब इसी कार्यक्रम को लेकर नरेन्द्र मोदी की बौखलाहट कई तरह से सामने आ रही है। जब कोटा में पहली बार राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज किया था, तब नीट पेपर लीक का मुद्दा गर्म था। भाजपा को उम्मीद थी कि वक्त बीतने के साथ यह मुद्दा पुराना पड़ेगा तो फिर छात्रों की गूंज भी दब जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे इन चार जगहों पर अब राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज कार्यक्रम किया है और 19 सितंबर को इंदौर में राहुल गांधी फिर से छात्रों की गूंज के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि जहां राहुल नहीं जा रहे हैं, या नहीं गए हैं, वहां के छात्रों की समस्याओं को भी वो उठा ही रहे हैं। हाल ही में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रों के प्रदर्शन को न केवल समर्थन दिया, बल्कि उनसे मिलने नासिक भी पहुंचे। वहीं राहुल गांधी ने बिहार में पुलिसिया दमन के शिकार छात्रों से भी मुलाकात का वीडियो शेयर किया है और लिखा है कि सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें मांगी थीं–शिक्षा, रोजगार, और जवाबदेही। ये अपराधी नहीं थे। ये गरीब घरों के वो बच्चे थे जो अपने परिवार के सपने लेकर पढ़ने निकले थे–किसी को अच्छी नौकरी चाहिए थी, किसी को अपने घर के हालात बदलने थे। गोली के घाव भर जाएंगे–पर जो डर इन बच्चों के भीतर बैठ गया है, उसका इलाज किस अस्पताल में होता है? मुख्यमंत्री जी, मुख्यमंत्री जी – इनकी टूटी हड्डी तो जुड़ जाएगी। क्या इनका टूटा हुआ सपना आप लौटा सकते हैं? मोदी राज में देश के भविष्य यानी नयी पीढ़ी की क्या दुर्गति की जा रही है, इसके रोजाना नए–नए उदाहरण सामने आ रहे हैं। यह विडंबना ही है कि शनिवार को मोदी ने छात्रों के सामने बताया कि उनकी सरकार ने देश को खुशहाल बनाने के लिए क्या–क्या किया है।

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

डॉ. रमेश ठाकुर

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकूमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत–बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता था हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं। इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा–दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच–पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमीदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20–22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45

साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी। दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेंस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला–धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय–समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर–दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं।

डान घर में आ चुका है, शो में माही विज की एंट्री पर जय भानुशाली ने शेयर की पोस्ट,कही ये बात

शो बिग बॉस 20 शुरू हो गया है। शो में इस सीजन एक्ट्रेस माही विज भी अपना जलवा बिखेर रही हैं। इसी बीच जय भानुशाली का अपनी पूर्व पत्नी के लिए किया गया पोस्ट चर्चाओं में आ गया है। जय भानुशाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर माही विज की एंट्री का एक वीडियो शेयर कर उन्हें बिग बॉस का हिस्सा बनने पर बधाई दी। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा–डॉन घर में आ चुका है। ऑल द बेस्ट। साथ ही उन्होंने माही विज को टैग भी किया। बिग बॉस 20 के प्रीमियर के दौरान जब उनसे जय भानुशाली से अलग होने की बात पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इसपर बात करने से मना कर दिया और कहा, मुझे हमारे अलगाव पर बात नहीं करनी। ये काफी पर्सनल है और मैं इसे पर्सनल ही रखना चाहती हूं। मैं इसके बारे में कभी चर्चा नहीं करना चाहूंगी। माही विज और जय भानुशाली की लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित कहानियों में से एक रही है। दोनों ने एक–दूसरे को डेट करने के बाद 2010 में एक निजी समारोह में शादी की थी। शादी के बाद यह जोड़ी रियलिटी शोज, अवॉर्ड फंक्शन्स और सोशल मीडिया पर अक्सर साथ नजर आती थी। इसके बाद दोनों ने जनवरी 2026 को इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर अलग होने की जानकारी दी। करीब 15 साल की शादी और लंबे साथ के बाद कपल ने यह फैसला लिया। साथ ही एक्टर्स ने उनके बच्चों– तारा, खुशी और राजवीर की साथ देखभाल करने की बात कही। इसमें माही विज, अर्शिफा खान, ईशा रिखी, रिया अहीर, काजी तौकीर और कनिका मान जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

बिग बॉस 20: घरवालों पर क्यों भड़कीं अरिश्फा खान? दी चेतावनी– सुन लो सब...जेन जी हूं मैं

चर्चित शो बिग बॉस ने अपने 20वें सीजन के साथ वापसी की है। अभी इसे शुरू हुए एक दिन बीता है और घर के अंदर अभी से हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया है। अरिश्फा खान घर वालों को चेतावनी देती दिखी हैं। उनके और काजी तौकीर के बीच तकरार भी देखने को मिली। इसके बाद अरिश्फा ने सभी घरवालों को चेतावनी दे डाली है। बिग बॉस सीजन 20 का नया प्रोमो सामने आया है। इसमें अरिश्फा खान और काजी तौकीर के बीच बहस देखी जा रही है। अरिश्फा इतनी नाराज हो गई हैं कि उन्होंने सभी घरवालों को चेतावनी दे दी है। दरअसल, नाराजगी की वजह ये है कि उनकी कम उम्र पर तंज कर दिया गया। इस पर वे आगबबूल हो गईं और बोलीं कि वे जेन जी हैं और उनके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाए। सामने आए वीडियो में अरिश्फा सभी घरवालों को संबोधित करते हुए कहती हैं, सुन लो सब लोग। मैं बच्ची नहीं हूं। मैं जवाब दे दूंगी उल्टा फिर बुरा लग जाएगा। जब अरिश्फा यह कहती हैं तो काजी बीच में टोक देते हैं। इस पर अरिश्फा और नाराज हो जाती हैं और कहती हैं कि मुझे अपनी बात पूरी करने दो। यह सुन काजी तंज कसते हैं, मुझे मेरा बचपना याद आ रहा है आपको देखकर। इस पर अरिश्फा ने कहा, जेन–जी हूं मैं। मुझे वैसा ट्रीट करो। इसके बाद काजी तौकीर गाना गाने लगते हैं, जेन जी जेन जी...ओ जेन जी। पंचायत सीरीज में दामाद जी बनकर लोकप्रियता हासिल करने वाले एक्टर आसिफ खान भी शो का हिस्सा हैं। घर के अंदर वे भोजपुरी एक्टर व सांसद मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी से बात करते हुए अपने संघर्ष का सफर बताते दिखे। सामने आए प्रोमो में आसिफ कहते हैं, आज लोग उनसे कहते हैं कि तुम एक दिन जाकर इतना पैसा कमा लेते हो। मैं कहता हूं कि यह एक दिन का नहीं है, यह 16 वर्षों का पैसा है। आसिफ ने बताया कि वे 2016 में कास्टिंग भी करते थे और छोटे–छोटे रोल भी करते थे। साल 2019 में उनकी पहली फिल्म आई। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि बहुत वक्त गुजारकर जब कुछ मिलता है तो बहुत कुछ मिलता भी है और वह टिकता भी है। इस पर रीति तिवारी ने भी सहमति जताई।

सुष्मिता सेन से पहले ये एक्टर था सीरीज के लिए पहली पसंद, एक आइडिया ने बदल दी पूरी कास्टिंग

प्रोड्यूसर और क्रिएटर कार्तिक निशानदार ने खुलासा किया है कि ताली के लिए सुष्मिता सेन को कास्ट करने से पहले दूसरे एक्टर को अप्रोच किया गया था। हालांकि, बाद में मेकर्स ने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत का किरदार सुष्मिता सेन से करवाने का फैसला किया। इंडिया टुडे के साथ खास बातचीत में कार्तिक ने ताली में श्रीगौरी सावंत के किरदार के लिए सुष्मिता सेन को चुनने की वजह बताई। उन्होंने सुष्मिता की अपने किरदार के प्रति मेहनत और लगन के बारे में भी बात की। कार्तिक ने बताया कि ताली में सुष्मिता सेन को कास्ट करते समय मेकर्स इस किरदार को ट्रांसजेंडर किरदारों की पिछली स्क्रीन प्रस्तुतियों से थोड़ा अलग दिखाना चाहते थे। उन्होंने कहा, जब हम ताली के लिए सुष्मिता को कास्ट कर रहे थे, तो हमें एक मां चाहिए थी। हम चाहते थे कि उस किरदार को एक महिला निभाए, क्योंकि कहानी एक मां के अधिकारों और उसकी भावनाओं के बारे में है। सुष्मिता इस किरदार के लिए बिल्कुल सही थीं। वह खुद एक सिंगल मदर हैं, इसलिए उस समय यह बात भी एक खास कनेक्शन थी। कार्तिक ने बताया कि सुष्मिता का नाम पहले से ही उनके दिमाग में था, लेकिन इस रोल के लिए सबसे पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी से संपर्क किया गया था। उन्होंने कहा, श्हमारे दिमाग में सुष्मिता हमेशा से थीं और हमने करीब 15–20 साल पहले उनके साथ काम भी किया था। लेकिन सबसे पहले हमने नवाज को अप्रोच किया था। हमने नवाज से बात की। फिर एक दिन अर्जुन सिंह ने कहा, श?कार्तिक, अगर हम इस किरदार के लिए किसी महिला को कास्ट करें तो? हर कोई ट्रांसजेंडर किरदार के लिए एक पुरुष को कास्ट कर रहा है। कार्तिक ने बताया कि यह आइडिया पूरी टीम को तुरंत पसंद आ गया। इसके बाद सुष्मिता से संपर्क किया गया।

राहुल ढोलकिया: दिल्ली नहीं गुजरात में होगा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, आयोजन स्थल बदलने पर निर्देशक ने उठाए सवाल

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के इतिहास में पहली बार बदलाव किया गया है। बीते 72 साल से राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार का आयोजन दिल्ली में होता आया है पर इस साल पहली बार इसका आयोजन गुजरात में किया जाएगा। इस मामले पर शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' के निर्देशक राहुल ढोलकिया ने सवाल उठाए हैं। निर्देशक राहुल ढोलकिया ने इस आयोजन के गुजरात में होने का विरोध किया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मुझे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की मेजबानी के लिए दिल्ली से कोई खास लगाव नहीं है, लेकिन मैं गुजरात में इसे स्थानांतरित करने पर सवाल उठाता हूं। गुजरात ही क्यों? जब आप किसी दूसरे शहर/राज्य में पुरस्कार देने की परंपरा तोड़ रहे हैं, तो क्यों न यह सम्मान उस राज्य को दिया जाए जिसने सिनेमा में योगदान दिया हो? जैसे महाराष्ट्र, केरल या तमिलनाडु। या हैदराबाद जैसा शहर भी हो सकता है। 2007 में निर्देशित फिल्म परजानिया के लिए राहुल को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। फिल्म की कहानी 2002 में हुए गुजरात दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित थी। फिर उन्होंने शाहरुख खान अभिनीत कमर्शियल फिल्म 'रईस' का निर्देशन किया। इस फिल्म की कहानी गुजरात के एक शराब तस्कर पर बनाई गई थी। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार का आयोजन गुजराज के एकता नगर (केवड़िया) में होगा। 22 सितंबर को होने वाले इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुरस्कार प्रदान करेंगी। केवड़िया, जिसका नाम बदलकर अब एकता नगर कर दिया गया है, वहां दुनिया की सबसे ऊंची (597 फीट) प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। इस साल 2024 में बनी फिल्म आर्टिकल 370 को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म घोषित किया गया है। वहीं फिल्म की मुख्य अभिनेत्री यामी गौतम ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता है। अभिनेता ममूटी को फिल्म ब्रह्मयुगम के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया जाएगा। फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन को संयुक्त रुप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार से नवाजा जाएगा। रणदीप हुड्डा को फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' के लिए बेस्ट डेब्यू निर्देशक के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

पैरों की फटी एड़ियां बनेगी एकदम सॉफ्ट, इन घरेलू नुस्खों से करें केयर

चेहरे के साथ–साथ पैरों की देखभाल करना भी जरुरी होता है, यदि इनकी देखभाल अच्छे से न की जाए तो पैरों की एड़ियां फटने लगती हैं। इनके फटने के कई और भी कारण हो सकते हैं जैसे बदलता मौसम, शरीर में पोषक तत्वों की कमी, थायराइड, सोरायसिस, थायराइड और अर्थराइटिस जैसी बीमारियां भी एड़ियों के फटने के लिए जिम्मेदार हो सकती हैं यदि समय रहते इस समस्या पर गौर न किया जाए तो इनमें तेज दर्द और खून भी निकल सकता है। फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में....

शहद

शहद का इस्तेमाल करके आप फटी एड़ियों की समस्या से राहत पा सकते हैं। एक बाल्टी पानी में शहद मिलाएं। इसके बाद 15–20 मिनट इसमें अपने पैरों को डूबोकर रखें। इसके बाद एड़ियों पर स्क्रब करें स्क्रब करने के बाद गुनगुने पानी से पैर धो लें। रोजाना इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से फर्क नजर आने लगेगा।

एलोवेरा

एलोवेरा भी फटी एड़ियों से राहत दिलवाने में फायदेमंद हो सकता है। बाल्टी में गुनगुना पानी भरें फिर 5–10 मिनट पानी में पैर डूबोकर रखें तय समय बाद पैर सूखा लें। इसके बाद एलोवेरा जेल लगाएं और फिर मोजे पहन लें। रातभर के लिए एलोवेरा जेल एड़ियों पर लगाएं और सुबह नॉर्मल पानी से इन्हें धो लें।

नींबू, ग्लिसरीन और गुलाब जल का मिश्रण

इन तीनों चीजों से बने मिश्रण भी फटी एड़ियों के लिए फायदेमंद होगा। बाल्टी को गुनगुने पानी के साथ आधा भर लें फिर इसमें नींबू का रस, एक चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। फिर इसमें पैरों को 15–20 मिनट के लिए डूबोकर रखें इसके बाद फुट स्क्रबर के साथ एड़ियों को स्क्रब कर लें। फिर ग्लिसरीन और गुलाब जल के मिश्रण को एड़ियों पर लगाकर मौजे पहन लें। रातभर मिश्रण को पैरों में लगा रहने दें और अगली सुबह धो लें। लगातार इस्तेमाल करने से आपको फर्क दिखने लगेगा।

नारियल तेल

नारियल तेल के साथ पैरों की एड़ियों की मसाज करें। मसाज करने के बाद मोजे पहन लें। तेल को रातभर एड़ियों पर लगा रहने दें।

पेट्रोलियम जेली

फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए पेट्रोलियम जेली काफी असरदार हो सकती है। इससे एड़ियों की दरारें भरने लगेगी। एड़ियों पर जेली की पतली परत लगाएं और रातभर ऐसे ही रहने दें। सुबह उउठकर एड़ियां धो लें आपको फर्क दिखने लगेगा।

छोटी उम्र में स्मार्ट बनेंगे बच्चे, पेरेंट्स इन 5 तरीकों से सिखाएं आत्मनिर्भर बनाना

हर माता–पिता की यही चाहत होती है कि बच्चा पढ़ाई लिखाई में शॉर्प होने के साथ–साथ अपने लक्ष्य के प्रति भी एक्टिव रहे। इसके लिए पेरेंट्स अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाते हैं लेकिन कई बार अच्छी शिक्षा होने के बाद भी बच्चे कही न कही पीछे रह जाते हैं। पढ़ाई के अलावा बच्चों के लिए सेल्फ केयर स्किल भी सिखाना जरुरी है। कई बार पढ़ाई और नौकरी के चलते घर से बाहर जाना पड़ता है ऐसे में यदि बच्चे को अच्छी आदतें नहीं हैं तो उन्हें कई तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती है। बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के साथ–साथ पेरेंट्स को उन्हें छोटी उम्र में ही ऐसी आदतें सिखानी चाहिए जिससे वह भविष्य में अपना ख्याल रख सकें। तो चलिए आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जो बच्चे को भविष्य में आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेंगे। आइए जानते हैं....

खुलकर बात करें

छोटी उम्र में यदि आप अपने बच्चे को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तो उनके साथ खुलकर बात करें। इससे बच्चे इमोशनली मजबूत भी बनेंगे और इससे वह अपनी बात आपके साथ शेयर भी कर पाएंगे। बच्चे की कोई भी बात सुनते समय उनकी चीजों की तारीफ करें और यदि वह कोई गलत बात करते हैं तो उन्हें समझाने की कोशिश करें।

बेड टाइम रुटीन सेट करें

बच्चे को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनका एक बेडटाइम रुटीन सेट करें। बचपन से ही उन्हें आदत डालें कि बेड पर आ जाने के बाद मोबाइल से टीवी नहीं देखना। इसके अलावा बेड पर जाने से पहले उन्हें ब्रश करना, कपड़े बदलना और अपने हाइजीन का ध्यान रखना जैसी आदतों के बारे में भी जानकारी दें।

खुद काम करने की डालें आदत

सेल्फ केयर टिप्स में सबसे ज्यादा जरुरी है कि बच्चों को हाइजीन की आदतें सिखाना। 2 साल की उम्र के बाद बच्चे को हैंडवॉश, खुद ब्रश करना और बाकी हाईजीन से जुड़ी बातें सिखाएं। 3 साल की उम्र में बच्चे को चम्मच से खुद खाना सिखाएं और रोटी के टुकड़ों को छोटा–छोटा करके दें। इस तरह बच्चे खुद खाना खाना सिख जाएंगे।

फिजिकल एक्टिविटी

माता–पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा फिजिकली भी फिट रहे। ऐसे में उन्हें फिजिकली एक्टिविटी से जुड़ी आदतें सिखाएं। कोशिश करें कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा एक्टिविटीज में हिस्सा लें कोशिश करें कि बच्चे अपने मनपसंद की एक्टिविटीज में हिस्सा ले सके। इसके लिए आप उनकी कोई मनपसंद एक्टिविटी से जुड़ी क्लास ज्वाइन करवा सकते हैं। इससे बच्चे में सेल्फ केयर स्किल डेवलप होगी।

किताबों की लें मदद

किताबों की मदद लेकर आप बच्चे को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। आप बच्चों को ऐसी किताबें गिफ्ट के तौर पर दें जिसमें सेल्फ केयर स्किल से जुड़ी बातों की जानकारी दी हो। हफ्ते में 1 बार बच्चों को 1 बुक शॉप या फिर लाइब्रेरी में लेकर जाएं ताकि वह अपनी मनपसंद की किताब खरीद सकें। किताबें पढ़ने से बच्चे में पढ़ने की आदत विकसित होगी।

गाउन पर सेलिब्रिटी की तरह बनाएं हेयर स्टाइल, सबसे खूबसूरत दिखेंगी आप

अप–टू–डेट और स्टाइलिश दिखने के लिए हम अपने आपको अलग–अलग लुक कैरी करते हैं। मेकअप और आउटफिट के बार परफेक्ट हेयर स्टाइल होना बहुत जरूरी है। आजकल गाउन का ट्रेंड काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आज हम आपको गाउन के साथ स्टाइल किए जाने वाले कुछ ट्रेंडी हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह हेयर स्टाइल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेंगे। साथ ही आपका लुक भी स्टाइलिश लगेगा।

हाफ–टाई बन हेयर स्टाइल

बता दें कि आज के समय में हाफ–टाई बन हेयर स्टाइल काफी चलन में है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे छोटे साइज वाले डोनट का उपयोग करना चाहिए। वहीं बचे हुए बालों को हेयर स्टाइलिंग टॉग की मदद से कर्ल कर लें। इस तरह से आपका हेयर स्टाइल बन जाएगी।

मेसी पोनीटेल

मेसी लुक देखने में काफी मॉडर्न लगने के साथ बेहतरीन भी लगता है। इस हेयर स्टाइल को बनाना काफी ज्यादा आसान होता है। इस हेयर स्टाइल को सजाने के लिए बालों की सिर्फ एक लेयर को पोनीटेल के शुरुआत में गोल–गोल ब्रैप कर लें। बता दें कि इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए हेयर स्टाइलर की मदद से पहले सारे बालों को कर्ल कर लें। बालों को कर्ल करने से एक बाउंस बनकर तैयार हो जाएगा। यह हेयर स्टाइल आपको खूबसूरत होने के साथ प्रोफेशनल टच देगा।

ओपन ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल

कुछ लोग बालों को खुला रखना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को खुला रखना पसंद है। तो हम आपको मिनटों में बनने वाले हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि ओपन ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल बनाना काफी ज्यादा आसान है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे पहले आप बालों की एक–एक लेयर की ट्विस्टिंग करनी होगी। इसके बाद उसे पिनअप करना होगा। बचे हुए बालों को भी लेंथ तक कर्ल कर दें। इसके बाद इसे सजाने के लिए आप बीड्स या फ्लोरल हेयर क्लिप का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

सफेद जूतों को चमकाने के लिए फॉलो करें ये अमेजिंग हैक्स, फिर से लगने लगेंगे नए

हमारे लुक में चार चांद लगाने के लिए अच्छे जूते होना बहुत जरूरी होता है। कहा जाता है कि इंसान की पहचान उसके जूतों को देखकर की जाती है। इसलिए आज भी लोग जूतों पर इंवेस्ट करते हैं। वहीं व्हाइट स्नीकर्स ना सिर्फ पहनने में बल्कि यह देखने में भी काफी ज्यादा अच्छे होते हैं। आप हर तरह के आउटफिट्स के साथ व्हाइट जूतों को कैरी कर सकती हैं। लेकिन यह आसानी से गंदे हो जाते हैं। ना सिर्फ गंदे बल्कि व्हाइट स्नीकर्स पर दाग भी लग जाते हैं। जिसके कारण इनको बार–बार पहनने का मन नहीं होता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि व्हाइट स्नीकर्स को साफ करने के लिए आपको किसी महंगे क्लीनर आवश्यकता नहीं है। आप कुछ घरेलू चीजों की मदद से भी व्हाइट स्नीकर्स की सफाई कर सकते हैं। आइए जानते हैं घरेलू चीजों से स्नीकर्स की सफाई कैसे करनी चाहिए। इसके साथ ही जूतों की किस तरह से देखभाल करनी चाहिए।

डिश सोप से साफ करें स्नीकर्स

डिश सोप से आप सिर्फ बर्तन ही नहीं बल्कि अन्य चीजों को भी चमका सकती हैं। डिश सोप क्लीनिंग का एक बहुत अच्छा ऑप्शन है। ऐसे में आप डिश सोप का उपयोग व्हाइट स्नीकर्स को भी साफ करने के लिए कर सकती हैं। इसके लिए आपको एक चम्मच डिश सोप में 1 कप पानी मिलाना होगा। फिर किसी पुराने ब्रश की मदद से लिक्विड जूतों पर डालकर इसे अच्छे से रगड़ कर साफ कर लें। इस तरीके से आपके जूते नए जैसे हो जाएंगे।

ऐसे साफ करें स्नीकर्स पर लगे दाग

अगर आपके भी व्हाइट स्नीकर्स में दाग लग गया है। तो ब्रिसल वाले टूथब्रश को डिश सोप में भिगो दें। इसके बाद दाग वाली जगह पर टूथब्रश को सर्कुलर मोशन में घुमाएं। इसे तब तक करते रहें, जब तक जूतों पर लगा दाग हल्का ना हो जाए। रब करने के साथ हल्का दबाव भी डालें। इससे जूतों पर लगा दाग हल्का हो जाएगा। फिर डिश सोप में मैजिक इरेजर को भिगोएं। अब इस इरेजर से जूते के सोल को साफ कर लें। आपको किसी भी लोकल डिपार्टमेंट स्टोर पर मैजिक इरेजर मिल जाएगा।

ऐसे सुखाएं जूता

बता दें कि जूतों को सही तरीके से सुखाना बहुत जरूरी है। क्योंकि जूते नमी के कारण जल्दी खराब हो सकते हैं। इसलिए जूते में मौजूद सोप को पेपर टॉवल या कपड़े से सोख लें। जिससे कि यह गीला ना रहे। फिर जूतों को हवा में सूखने के लिए रख दें। जूतों को डायरेक्ट सनलाइट में नहीं रखना चाहिए।

बेकिंग सोडा से साफ करें जूता

खाने से लेकर घर की सफाई तक के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आपको भी जूतों से दाग हटाना है तो इसके लिए बेकिंग सोडा एक घरेलू और असरदार उपाय है। 1 चम्मच गर्म पानी, 1 चम्मच व्हाइट विनेगर में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिक्स कर लें। इसके बाद बेकिंग सोडा ब्रश पर लगाएं। फिर इसे जूतों पर अच्छे से रब करें। इसे रब करने के बाद जूतों को 3–4 घंटे के लिए सूखने को छोड़ दें। फिर किसी कपड़े या उंगली की मदद से इस पेस्ट को हटा लें।

ये नुस्खा भी है कारगर

व्हाइट स्नीकर्स पर लगे दाग को हटाने के लिए आप टूथपेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए आप टूथपेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाएं। फिर टूथपेस्ट को रब करें और कुछ समय बाद गीले कपड़े की मदद से जूतों को साफ कर लें। इसके अलावा आप जूतों को हाइड्रोजन पेरॉक्साइड से भी आसानी से साफ कर सकती हैं। हाइड्रोजन पेरॉक्साइड को पानी में मिक्स कर लें। फिर इससे आप जूतों को साफ कर सकती हैं।

ऐसे करें व्हाइट स्नीकर्स की देखभाल

व्हाइट स्नीकर्स पर दाग लगने पर इसे फौरन साफ कर लेना चाहिए। जाना जूतों को साफ कपड़े से पोंछ लें। ऐसा करने से जूतों पर लगी गंदगी और धूल आसानी से साफ हो जाएगी। वहीं सप्ताह में एक बार जूतों की अच्छे से सफाई कर लें। मशीन में धोने की जगह जूतों को हाथ से धोना चाहिए। इन्हें धोने के लिए किसी हार्श केमिकल वाले डिटर्जेंट को इस्तेमाल ना करें। जूतों को साफ करने के लिए ब्लीच का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

संक्षिप्त

20th Asian Games
Aichi-Nagoya 2026

सट्टेबाजी से दूर रहने का देना होगा शपथ पत्र! फिटनेस-डोपिंग और देश की छवि बचाने की लेनी होगी शपथ

भारतीय खिलाड़ी जापान में होने वाले एशियाई खेलों में इस बार देश का प्रतिनिधत्व करने उतरेंगे तो वे आधिकारिक रूप से नैतिकता के बंधन में भी बंधे होंगे। भारतीय खिलाडिघ्यों को 19 सितंबर से ऐची–नागोया में होने जा रहे इन खेलों में उतरने से पहले अपनी फिटनेस और डोपिंग नियमों की जानकारी होने के साथ देश का नाम खराब नहीं करने, मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी से दूर रहने का शपथ पत्र देना होगा। साई ने सभी खेल संघों से एशियाड में भाग लेने वाले खिलाडियों और प्रशिक्षकों से शपथ पत्र भरवाने और नेशनल स्पोर्ट्स रिपोजिटरी सिस्टम (एनएसआरएस) पर रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश दिया है। इसके तहत खिलाड़ी को अपनी और अपने जमीनी स्तर से इलीट स्तर के कोच की जानकारी मुहैया करानी होगी। शपथ पत्र के तहत खिलाडियों को अपना मेडिकल फिटनेस पत्र भी लगाना होगा। साई ने निर्देश दिया है कि कोई भी अनफिट खिलाड़ी एशियाई खेलों में भाग नहीं लेगा। ओलंपिक हों, एशियाई खेल या फिर राष्ट्रमंडल खेल, इनमें देश की प्रतिष्ठा दांव पर होती है। हालांकि इन खेलों से पहले मौखिक रूप से खिलाडिघ्यों को अनुशासन में रहने और तिरंगे का मान रखने का पाठ पढ़ाया जाता है, लेकिन इस बार लिखित में शपथ पत्र भी देना होगा। जिसमें खेल भावना का ध्यान रखने, मैच फिक्सिंग, सट्टेबाजी, आयु की धोखाधड़ी से दूर रहने, अनुशासन में रहने और देश, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और अपने राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) का नाम नहीं खराब करने की बात कही गई है। यह शपथ पत्र खिलाडियों से सभी राष्ट्रीय खेल संघों से भरवाने को कहा गया है जिसमें खिलाड़ी के हस्ताक्षर होंगे और एनएसएफ की मुहर, पदाधिकारी के हस्ताक्षर होंगे। कोच को लेकर शपथ पत्र पहले भी भरवाया गया है। ऐसा पदक विजेता के कोच को दिए जाने वाले कैश अवार्ड के विवादों से बचने के लिए किया जा रहा है। पदक विजेता के कोच का कैश अवार्ड हमेशा विवादों में रहता है, ज्यादातर खिलाड़ी कैश अवार्ड के लिए अपने असली कोच के बजाय अपने पिता या रिश्तेदार का नाम प्रस्तावित करते थे। वहीं सभी खिलाडिघ्यों का मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया है। साथ ही खिलाडिघ्यों के दांतों का परीक्षण भी अनिवार्य किया गा है। खेल संघ को फिटनेस प्रमाण किसी मान्यता प्राप्त डॉक्टर से उपलब्ध कराना होगा। अगर कोई खिलाड़ी पुनर्वास में है और तो उसे एशियाड में जाने के मेडिकली प्रमाण देने होंगे।

बैंक में नकद जमा करने वाले रखें ध्यान, पैसों का स्रोत न बता पाने पर लगेगा टैक्स व जुर्माना

नई दिल्ली,एजेंसी। मौजूदा दौर में अगर कोई समझता है कि बैंक में नकद जमा करने के बाद सिर्फ कच्चे पर्चे देकर बचा जा सकता है, तो उसे आयकर अपीलेट ट्रिब्यूनल की पणजी बेंच का ताजा फैसला पढ़ना चाहिए। आभूषण निर्माण और सोने की बिक्री कारोबार से जुड़ीं सलमा महमादसलीम दफेदार ने नोटबंदी की घोषणा के दो दिन बाद 10 नवंबर 2016 को अपने बैंक खाते में एकमुश्त 32 लाख रुपये जमा किए। असेसिंग ऑफिसर ने पड़ताल के बाद करदाता के पास मौजूद 4.66 लाख के पुराने कैश बैलेंस, 6.51 लाख की सोने की बिक्री और 1.67 लाख की डिपॉजिट मैच्योरिटी को तो वैध माना, लेकिन बाकी बचे 19.15 लाख को अघोषित आय मान लिया। 3 सितंबर 2026 को सुनाए गए फैसले में ट्रिब्यूनल ने कानूनी अंतर बहुत स्पष्ट कर दिया। करदाता ने 8.37 लाख रुपये की रकम को दुकान पर सोने की नकद बिक्री बताते हुए इसके समर्थन में कैश मेमो पेश किए थे। ट्रिब्यूनल ने इसे सिरे से खारिज कर दिया, क्योंकि इन कैश मेमो पर न तो ग्राहकों के नाम थे, न पते और न ही खरीदारों की कोई लिखित पुष्टि। ट्रिब्यूनल ने दो टूक कहा कि बिना ग्राहक की पहचान वाले अज्ञात पर्चे पैसे का वैध स्रोत साबित नहीं कर सकते। अंततः पुख्ता सबूतों के अभाव में करदाता को टैक्स चुकाना पड़ा। नकद बिक्री पर इनवॉइस में ग्राहक का नाम, संपर्क व रजिस्टर में स्पष्ट आवक–जावक दर्ज रखें। पक्का बिल, पेमेंट वाउचर और शुद्धता का अधिकृत ब्योरा संभाल कर रखें। रिश्तेदारों से नकद लेते समय उनकी वित्तीय हैसियत व आईटीआर/बैंक रिकॉर्ड का प्रमाण पास रखें। पूर्व में निकाले गए कैश को दोबारा जमा करते समय यह तार्किक आधार होना चाहिए कि वह पैसा इतने दिनों तक घर में क्यों रखा रहा। यदि बैंक में जमा नकदी स्रोत पेश नहीं किया जाता, तो असेसिंग ऑफिसर इसे धारा 68 (कैश क्रेडिट) या धारा 69ए (अघोषित नकदी) के तहत जोड़ देता है। अघोषित आय पर सीधे 60प्रतिशत टैक्स लगता है, जिस पर कोई बेसिक छूट सीमा नहीं मिलती। टैक्स की रकम पर 25प्रतिशत सरचार्ज (कुल आय का 15प्रतिशत) और फिर 4प्रतिशत सेस जुड़ता है, जिससे कुल प्रभावी टैक्स देनदारी 78प्रतिशत हो जाती है। यदि विभाग स्वयं जांच में यह गड़बड़ी पकड़ता है, तो धारा 271एएसी के तहत 10 फीसदी पेनल्टी लग सकती है। इस तरह कुल देनदारी लगभग 84 फीसदी तक पहुंच जाती है, जिसके ऊपर धारा 234ए/बी/सी का ब्याज अलग से लगता है। इस रकम पर 80सी, 80डी जैसे कर दावों या कारोबारी नुकसान को समायोजित करने की अनुमति नहीं होती।

भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 के लिए जापान टीम का एलान

टोक्यो,एजेंसी। जापान ने भारत के खिलाफ ऐतिहासिक एकमात्र टी20 के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। यह मुकाबला 22 सितंबर को तोचिगी प्रीफेक्चर में खेला जाएगा। तीन बार की विश्व चैंपियन भारत और जापान के बीच यह पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबला होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े नौ बजे शुरू होगा। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम तब एशियाई खेलों के लिए जापान में ही होगी। यह मुकाबला भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के समारोहों की शुरुआत करेगा। इसके लिए स्पोर्ट 75 नाम की पहल शुरू की जा रही है। इसका उद्देश्य खेल के माध्यम से दोनों देशों के बीच लोगों के आपसी संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देना है। यह पहल उस समझौते से जुड़ी है, जो जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई शिखर बैठक के दौरान सामने आया था। इसमें खेल के क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग को बढ़ाने के साथ–साथ भारत की 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी की महत्वाकांक्षा को भी ध्यान में रखा गया है।

केंडेल कादोवाकी फ्लेमिंग, जो जापान के मुख्य रन स्कोरर हैं, उन्हें टीम की कप्तानी सौंपी गई है। वहीं, स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर जेक कुसुदा नेयर्न को पहली बार मौका मिला है। आईसीसी ने अपने स्टेटमेंट में कहा, श्यही टीम एशियाई खेलों में भी हिस्सा लेगी, जिसके मुकाबले इस मैच के दो दिन बाद शुरू होंगे। कप्तान केंडेल के अलावा इब्राहिम ताकाहाशी और डेक्लन सुजुकी मैकॉम्ब ही ऐसे दो अन्य खिलाड़ी हैं, जिन्हें 50 से ज्यादा टी20 खेलने का अनुभव है। सुयोशी तकादा, जिन्होंने जापान के लिए पिछली बार 2013 में आईसीसी ईस्ट पैसिफिक टी20 चैंपियनशिप में खेला था, उनकी भी टीम में वापसी हुई है। जापान क्रिकेट एसोसिएशन और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने चार सितंबर को इस ऐतिहासिक मुकाबले की घोषणा की थी। मैच को सुजुकी कप नाम दिया गया है। खास बात यह है कि यह सिर्फ दो क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला नहीं होगा, बल्कि भारत और जापान के बीच खेल और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में भी इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मुकाबले को भारतीय क्रिकेट के लिए खास अवसर बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय और जापानी टीमों का इस ऐतिहासिक मौके पर साथ आना क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनकर बेहद खुश है, जब भारतीय और जापानी पुरुष टीमें जापान में एक विशेष टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में आमने–सामने होंगी। यह क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि भारतीय टीम एक नए क्षेत्र में जा रही है और इससे जापान तथा पूर्वी एशिया में क्रिकेट को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। सैकिया ने भारत और जापान के मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के जश्न का हिस्सा बनेगा और इसके लिए जेसीए के प्रयासों की सराहना की। बीसीसीआई सचिव ने कहा कि क्रिकेट का विकास केवल उसके पारंपरिक देशों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर बीसीसीआई इस खेल को नए क्षेत्रों तक पहुंचाने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने जापान में क्रिकेट को मजबूत करने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता भी जताई। जेसीए के सीईओ नाओकी मियाजी ने भी इस मुकाबले को अपने संगठन के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा विश्व चौंपियन टीम को जापान में आमंत्रित करना जेसीए के लिए एक बड़ा पड़ाव है। मियाजी ने कहा, श्जापान में मौजूदा विश्व चैंपियन टीम का स्वागत करना हमारे संगठन के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। हम इस लक्ष्य की दिशा में हमारे साथ काम करने के लिए बीसीसीआई का धन्यवाद करते हैं। हम भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के जुनून का स्वागत करने के लिए बेहद उत्साहित हैं और स्थानीय जापानी लोगों को भी इस खेल के बारे में जानने और अपनी टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

डीआरएस को लेकर असमंजस में थे ईशान: फिर 15 साल के उपकप्तान वैभव ने कहा- रिव्यू

चेन्नई,एजेंसी। दिलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी क्रिकेटिंग समझ का परिचय दिया। साउथ जोन की पारी के छठे ओवर में उन्होंने कप्तान ईशान किशन को रिव्यू लेने के लिए मनाया और रिप्ले में रिकी भुई का बल्ले का किनारा मिलने के बाद भारत को शुरुआती सफलता मिली। इसके बाद साउथ जोन ने कुछ साझेदारियां कीं, लेकिन शमी और मुकेश ने अहम विकेट लेकर दबाव बनाए रखा। चेन्नई के चेपॉक में जारी दलीप ट्रॉफी के फाइनल में भले ही वैभव सूर्यवंशी बल्ले से उतना कुछ खास न कर पाएं हो, पर टीम के लिए फील्डिंग के दौरान अहम योगदान दे रहे हैं। ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव ने मंगलवार को मुकाबले के तीसरे दिन कुछ ऐसा किया, जिसने एक बार फिर उनकी क्रिकेटिंग समझ को साबित किया है। उनकी सूझबूझ से ईस्ट जोन को साउथ जोन के खिलाफ सफलता हासिल करने में मदद मिली। दरअसल, ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच मुकाबले के तीसरे दिन 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रिकी भुई के खिलाफ डीआरएस लेने का सुझाव दिया। कप्तान ईशान किशन ने रिव्यू लिया और रिप्ले में भुई के बल्ले का किनारा लगा हुआ दिखाई दिया। साउथ जोन की पारी के छठे ओवर में बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने रिकी भुई को लेग साइड पर गेंद डाली। गेंद पर कैच की अपील हुई, लेकिन मैदानी अंपायर ने इसे नकार दिया। ईशान किशन रिव्यू लेने को लेकर निश्चित नहीं थे। इसके बाद उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी ने डीआरएस लेने का सुझाव दिया। रिप्ले में भुई के बल्ले का हल्का किनारा लगा हुआ दिखाई दिया और गेंद विकेटकीपर कुमार कुशाग्र के दस्तानों में गई थी। इस रिव्यू के बाद भुई आउट दिए गए। साउथ जोन की पहली विकेट 10 रन के स्कोर पर गिरी। वैभव के डीआरएस लेने के सुझाव का वीडियो भी सामने आया। वीडियो में वैभव ईशान से ले लो भैया...ले लो रिव्यू कहते सुनाई पड़े। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन बनाए। कप्तान ईशान किशन ने 270 रन की पारी खेली। वहीं, वैभव सूर्यवंशी 37 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में पांच चौके और एक छक्का शामिल रहा। ईस्ट जोन के 708 रन के जवाब में रिकी भुई के आउट होने के बाद नारायण जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। लेफ्ट आर्म स्पिनर शिखर मोहन ने नारायण जगदीशन को 42 गेंदों में 32 रन के स्कोर पर आउट किया। जगदीशन ने अपनी पारी में छह चौके लगाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने 65 गेंदों में चार चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। दूसरे सत्र में मोहम्मद शमी ने शेख रशीद को 48 गेंदों में 27 रन के स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। रशीद ने पांच चौके लगाए। इसके बाद मुकेश कुमार ने अपना दूसरा विकेट हासिल किया।

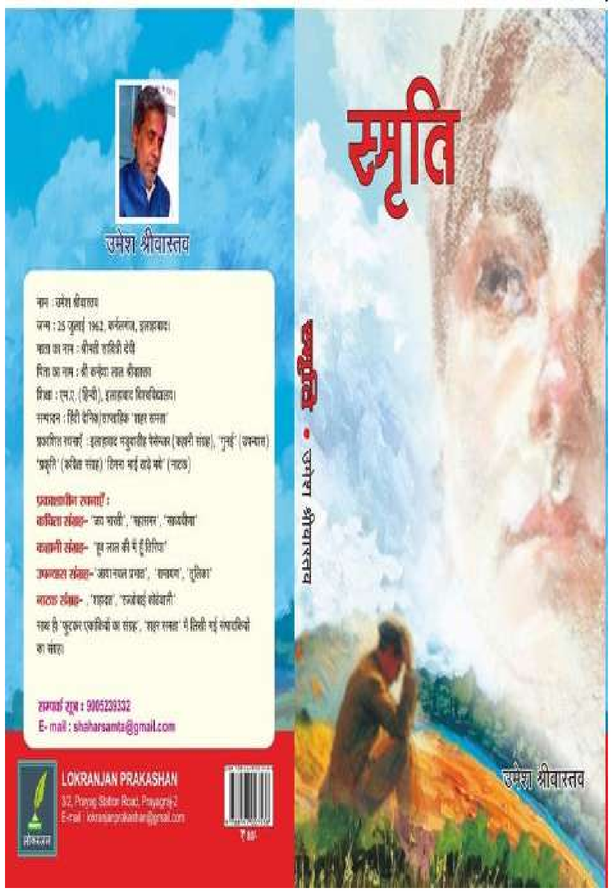

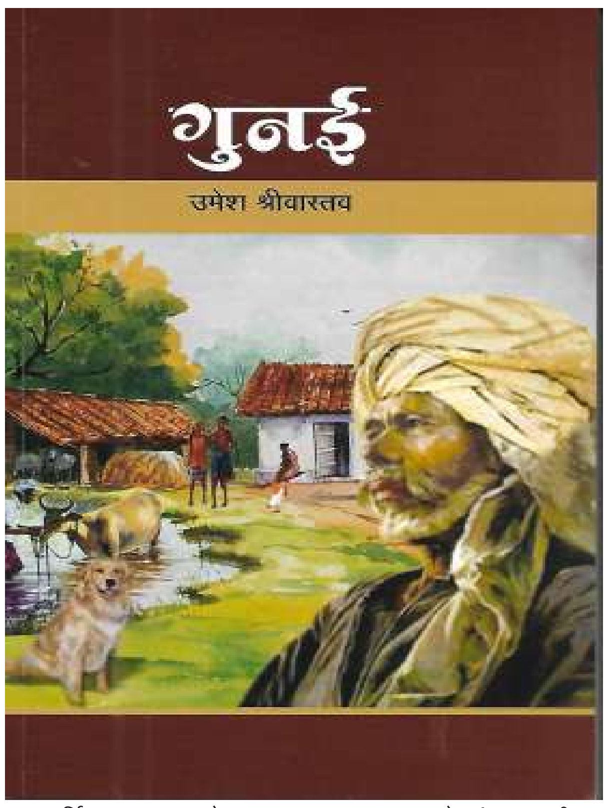

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

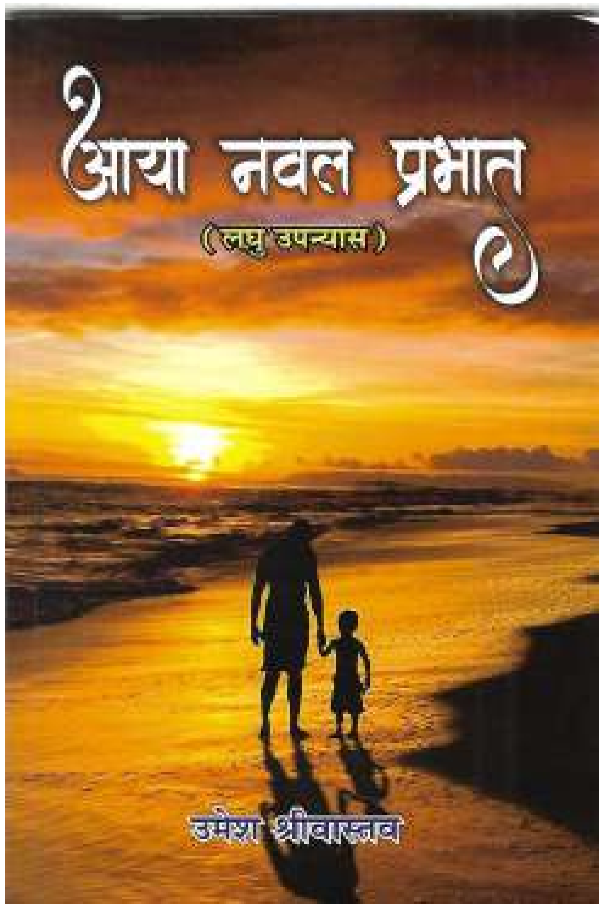

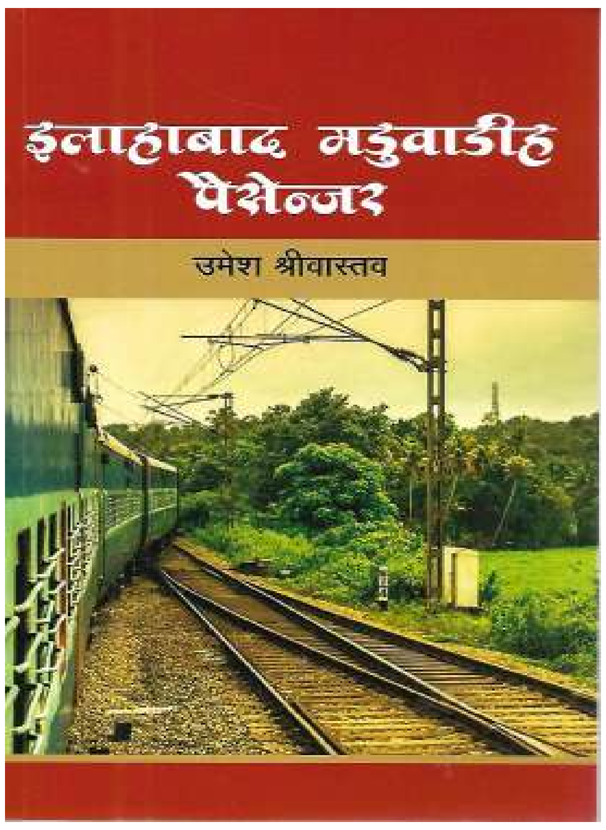

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

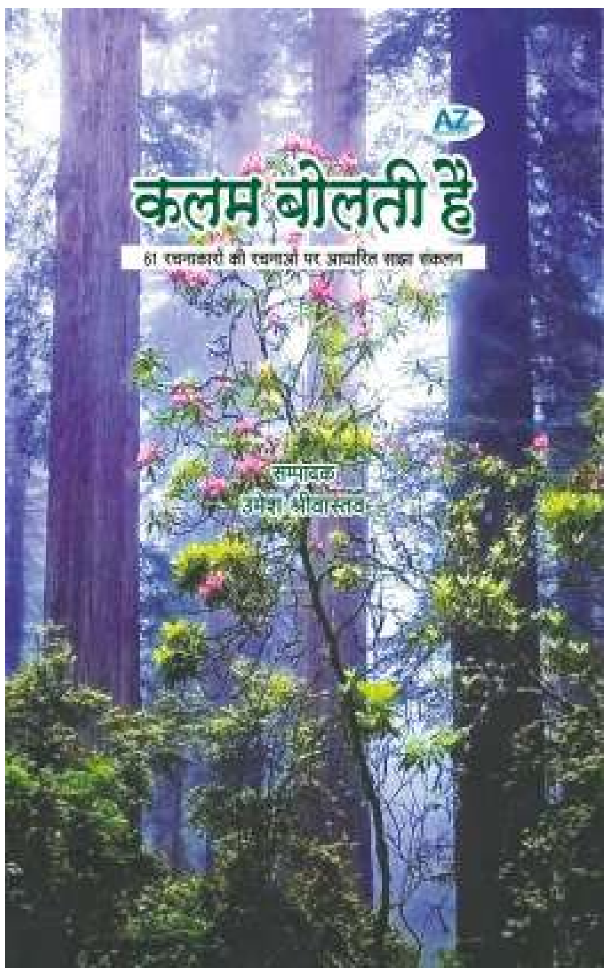

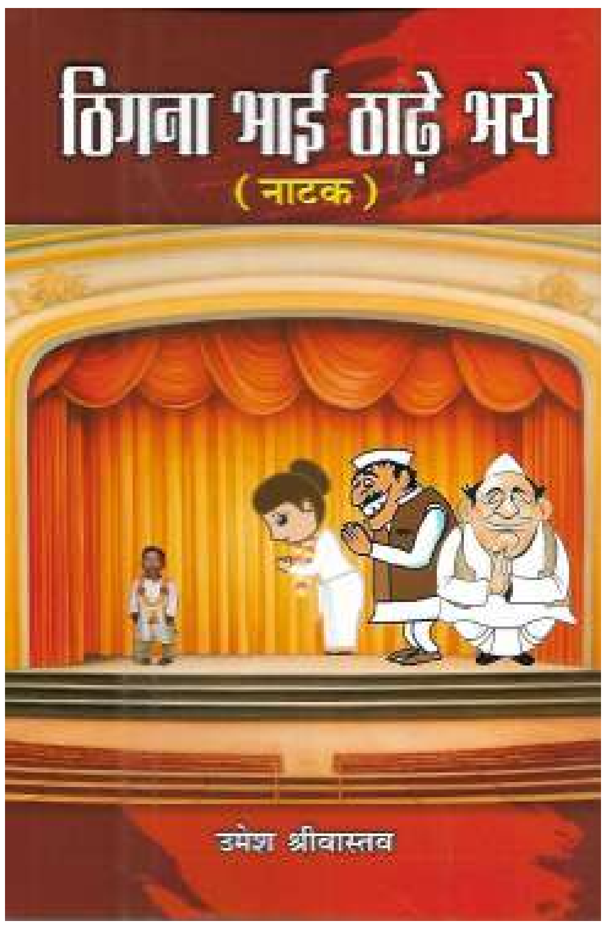

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अल-कायदा नेता संग दिखा संदिग्ध, एफबीआई ने क्यों नहीं की कार्रवाई?

11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के करीब 25 साल बाद ओमर अल–बायूमी को लेकर नए सवाल खड़े हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में ऐसे पुरानी वीडियो फुटेज सामने आए हैं, जिनमें बायूमी भविष्य के अल–कायदा नेता अनवर अल–अवलाकी के साथ नजर आ रहा है। एक फुटेज में दोनों सैन डिएगो के पास पेंटबॉल खेलते दिखते हैं। दूसरे वीडियो में बायूमी और अवलाकी एक–दूसरे को गले लगाते नजर आते हैं। खास बात यह है कि इन फुटेज को एफबीआई ने 9/11 हमलों के कुछ ही दिनों बाद हासिल कर लिया था। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 या 1998 की शुरुआत में बनाए गए वीडियो में बायूमी, अवलाकी और दूसरे लोग सैन्य अंदाज में पेंटबॉल खेलते दिखते हैं। कुछ प्रतिभागियों ने सैन्य वर्दी जैसे कपड़े पहन रखे थे। लड़ाई के दौरान कुछ लोग अल्लाहु अकबर भी चिल्लाते सुनाई देते हैं। एफबीआई अधिकारियों को जांच के दौरान बताया गया था कि इन पेंटबॉल सत्रों का इस्तेमाल कुछ लोग जिहाद की ट्रेनिंग के लिए करते थे। इसी फुटेज में सऊदी अरब के इस्लामिक अफेयर्स मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी की मौजूदगी भी बताई गई है। 21 सितंबर 2001 को ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बायूमी को गिरफ्तार किया था। तलाशी में हजारों दस्तावेज, तस्वीरें और कम से कम 80 वीडियो टेप मिले। इनमें एक नोटबुक का पन्ना खास था। उस पर एक विमान का चित्र बना था। साथ ही विमान की ऊंचाई और किसी लक्ष्य से उसकी दूरी से जुड़ी गणनाएं भी थीं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 9/11 पीड़ित परिवारों की कानूनी टीम ने इसे बेहद अहम सबूत माना। टीम की सदस्य जोडी वेस्टब्रुक फ्लावर्स ने कहा, जब हमें पता चला कि यह क्या था, तो हमें लगा कि हमें उस सबूत का सबसे अहम टुकड़ा मिल गया है, जिसकी तलाश थी। बाद में एक संघीय जज ने कहा कि यह दस्तावेज अपने चेहरे पर ही बायूमी को 9/11 हमलों की जानकारी से जोड़ता है। यही इस मामले का सबसे बड़ा सवाल है। बीबीसी की जांच में सामने आया कि सैन डिएगो में जांच कर रहे एफबीआई अधिकारियों ने ब्रिटेन से जब्त सामग्री बार–बार मांगी। लेकिन उन्हें बहुत कम सबूत मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, काफी सामग्री उसी पुलिस स्टेशन में मौजूद थी, जहां बायूमी हिरासत में था। सैन डिएगो जांच का नेतृत्व करने वाले एफबीआई अधिकारी रिक लैम्बर्ट ने कहा, मेरा मानना है कि अगर हमें वह सबूत मिला होता और हमने उसका विश्लेषण किया होता, तो हम पहेली के टुकड़ों को बहुत जल्दी जोड़ सकते थे। जांच अधिकारियों ने बायूमी से जुड़े सऊदी अधिकारियों से पूछताछ की अनुमति भी मांगी, लेकिन उन्हें इजाजत नहीं मिली। पूर्व एफबीआई जांचकर्ता स्टीव मूर ने कहा, हम इतनी बड़ी रुकावट से टकराए कि लगता था जैसे एयरबैग से टकरा गए हों। बायूमी को आखिरकार किसी मामले में आरोपित नहीं किया गया। 9/11 के अभियोजकों की निगरानी कर चुके न्याय विभाग के पूर्व अधिकारी जेफरी ब्रेनहोल्ट ने कहा कि बायूमी उन लोगों में था, जिनके खिलाफ आरोप लगाए जाने की काफी संभावना थी। उन्होंने विमान के चित्र वाले दस्तावेज को अहम सबूत बताया और कहा, हमने इससे कम सबूत पर लोगों को दोषी ठहराया है। उन्होंने पेंटबॉल फुटेज को भी महत्वपूर्ण बताया और अवलाकी की मौजूदगी को खास तौर पर अहम माना। 9/11 हमलों में 2,976 लोगों की मौत हुई थी। बायूमी ने हमलों में अपनी भूमिका से इनकार किया है। सऊदी अरब भी लगातार कहता रहा है कि उसके या उसके अधिकारियों के 9й11 में शामिल होने के आरोप पूरी तरह गलत हैं। बीबीसी ने एफबीआई से इस मामले पर प्रतिक्रिया मांगी, लेकिन एफबीआई ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ये सबूत 9/11 पीड़ित परिवारों की सऊदी अरब के खिलाफ एक ट्रिलियन डॉलर के मुकदमे में जारी किए गए हैं।

15प्रतिशत ग्राहकों पर सीधा असर, महंगाई से जूझ रहे लोगों की बढ़ी चिंता, किस पर बढ़ा बोझ?

ईरान ने मंगलवार सुबह तय मासिक कोटे से ज्यादा पेट्रोल खरीदने वालों के लिए कीमत दोगुनी कर दी है। सरकार का कहना है कि मौजूदा हालात में यह कदम जरूरी है और अतिरिक्त रकम परिवारों तक पहुंचाई जाएगी। हालांकि, देश पहले ही करीब 67 प्रतिशत की सालाना महंगाई, कमजोर मुद्रा और घटती खरीद क्षमता से जूझ रहा है। जानकारों को डर है कि महंगे पेट्रोल का असर परिवहन और रोजमर्रा की जरूरी चीजों की कीमतों पर भी पड़ेगा, जबकि आम लोगों को आशंका है कि यह बढ़ोतरी आगे और महंगाई का कारण बनेगी। दिसंबर के बाद पेट्रोल की कीमतों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। ईरान में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हमेशा संवेदनशील मुद्दा रही है और इससे महंगाई का दबाव बढ़ने की आशंका रहती है। 2019 में भी पेट्रोल की कीमतों में इसी तरह की बढ़ोतरी की गई थी, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। सरकार की कार्रवाई में कथित तौर पर 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। अमेरिका के साथ तनाव का सीधे तौर पर जिक्र किए बिना सरकार ने अपने ऐलान में मौजूदा हालात का हवाला दिया। सरकार ने कहा कि पेट्रोल की कीमत बढ़ने से मिलने वाली अतिरिक्त रकम परिवारों को दी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत जो लोग एक महीने में अपने 110 लीटर (29 गैलन) के तय कोटे से ज्यादा पेट्रोल खरीदेंगे, उन्हें अब प्रति लीटर 100,000 रियाल (लगभग 7 सेंट) चुकाने होंगे। यह कीमत दिसंबर से अब तक चुकाई जा रही दर से दोगुनी है। ईरान में पेट्रोल की कीमतें अभी भी दुनिया में सबसे कम हैं, लेकिन कीमतों में बढ़ोतरी से 9 करोड़ से ज्यादा की आबादी में से बड़ी संख्या में लोगों पर रोजमर्रा के खर्च का दबाव और बढ़ सकता है। देश की मुद्रा पहले ही रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच रही है और लोगों की खरीदने की क्षमता लगातार कमजोर हो रही है। सोमवार को अमेरिकी डॉलर 22.2 लाख रियाल पर कारोबार कर रहा था।

भारत के दौरे पर आएंगे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, 11 सितंबर को पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक

मॉस्को,एजेंसी। दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 11 सितंबर को द्विपक्षीय बैठक होने वाली है। क्रेमलिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शुक्रवार को होने वाली द्विपक्षीय बैठक की पुष्टि करते हुए भारत को रूस का रणनीतिक साझेदार बताया है। रूसी राष्ट्रपति के दिल्ली पहुंचने से पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता और राष्ट्रपति पुतिन के प्रेस सचिव दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को मीडिया से वर्चुअल बातचीत की। उनके बयानों में भारत–रूस रिश्तों की गर्माहट के साथ–साथ बदलती वैश्विक व्यवस्था की झलक भी दिखाई दी। पेस्कोव ने कहा, दोनों देशों के बीच आपसी संपर्क बहुत अहम होंगे, खासकर प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक। जैसा कि आप जानते हैं, भारत और रूस के नेताओं के बीच बहुत करीबी संबंध हैं। उनके संबंध बहुत व्यावहारिक हैं और वे एक–दूसरे के साथ इतने ईमानदार हैं कि दुनिया वैश्विक एजेंडे और हमारे आपसी संबंधों से जुड़े सबसे संवेदनशील मुद्दों पर बहुत खुले और रचनात्मक तरीके से चर्चा कर सकते हैं। ब्रिक्स की अहमियत पर पेस्कोव ने प्रकाश डालते हुए कहा, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि ब्रिक्स कोई संगठन नहीं है, यह एक क्लब है। हमारे पास कोई चार्टर, नियम या स्थायी कार्यालय नहीं है। बल्कि, यह उन देशों का एक क्लब है जो इस बात पर एक जैसी सोच रखते हैं कि दुनिया में काम कैसे होने चाहिए और अलग–अलग क्षेत्रों में सहयोग कैसे किया जाना चाहिए। उन्होंने ब्रिक्स के तीन प्रमुख स्तंभों का जिक्र करते हुए कहा, रूस ब्रिक्स सहयोग के तीन मुख्य स्तंभों – राजनीति और सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वित्त और सांस्कृतिक व मानवीय संपर्क – के और विकास में योगदान देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बेशक, हमारी अपनी कई पहल हैं जिन्हें हम इस समूह के भीतर बढ़ावा दे रहे हैं। हम ब्रिक्स के भीतर सहयोग के अलग–अलग तरीकों में ज्यादा से ज्यादा देशों को शामिल करने के विचार का समर्थन करते हैं। पार्टनर कंट्री के कॉन्सेप्ट की प्रशंसा करते हुए पेस्कोव बोले, 2024 में, पार्टनर देशों की एक नई श्रेणी –ब्रिक्स पार्टनर कंट्री श्रेणी – बनाई गई थी, और अब यह बहुत अच्छी तरह से विकसित हो रही है। बेलारूस, बोलीविया, वियतनाम, कजाकिस्तान, क्यूबा, नाइजीरिया, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान को पार्टनर का दर्जा दिया गया है। इन देशों के प्रतिनिधियों को धीरे–धीरे अलग–अलग वर्किंग ग्रुप और फॉर्मेट में शामिल किया जा रहा है, और हम इसे एक बहुत ही सकारात्मक विकास मानते हैं। उन्होंने बताया कि रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, रूसी प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के कामकाज को बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर एक्सपर्ट लेवल पर बातचीत शुरू करने की पहल की। बोले, हम इस पहल को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं, और ब्रिक्स के भीतर कई देशों ने इसका समर्थन किया। भारत के रूसी ऊर्जा आयात पर अमेरिका की ओर से प्रतिबंध लगाने संबंधी प्रस्ताव पर पेस्कोव ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने अमेरिकी प्रतिबंध विधेयक को "अवैध" करार दिया। पेस्कोव ने ब्रिक्स को सिर्फ आर्थिक समूह के रूप में देखने से आगे बढ़ते हुए इसे बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता में काफी निवेश किया है और संगठन की विचारधारा बहुध्रुवीय दुनिया की विचारधारा है। उनके अनुसार एकध्रुवीय दुनिया ढह रही है और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता खो रही है। उनके मुताबिक, दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स सम्मेलन केवल सदस्य देशों की बैठक नहीं है। इसके पीछे दुनिया की उस नई व्यवस्था की बहस भी है जिसमें रूस, भारत, चीन और दूसरे उभरते देश वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभाव की मांग कर रहे हैं। पेस्कोव ने बताया कि रूस और ब्रिक्स देशों के बीच अब करीब 90 प्रतिशत भुगतान राष्ट्रीय मुद्राओं में हो रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब डॉलर के प्रभुत्व और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों को लेकर ब्रिक्स देशों के बीच चर्चा तेज है। इसके साथ ही पेस्कोव ने भारत–रूस संबंधों को काफी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, कहानी केवल तेल और रक्षा तक सीमित नहीं है। पेस्कोव ने भारत में नए परमाणु संयंत्र के विकास में आगे प्रगति की उम्मीद जताई। उन्होंने रूस में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों का भी स्वागत किया।

रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा कि, रूसी कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर 100: टैरिफ लगाने का प्रस्तावित अमेरिकी कदम अवैध और अस्वीकार्य है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत के साथ नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को लेकर बातचीत का इंतजार कर रहे हैं। ब्रिक्स सम्मेलन का बचाव करते हुए रूसी प्रतिनिधि ने कहा कि यह संगठन किसी देश के खिलाफ नहीं है। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है जब दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ने, पश्चिमी प्रतिबंधों और रूस–यूक्रेन युद्ध जैसे कई बड़े सवालों से जूझ रही है। ऐसा माना जा रहा है कि पीएम मोदी–राष्ट्रपति पुतिन बातचीत के दौरान यूक्रेन युद्ध और शांति की कोशिशें भी अहम मुद्दा हो सकती हैं। भारत ने शुरुआत से ही युद्ध के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने पर जोर दिया है। भारत की इसी भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल पर पेस्कोव ने कहा, हम भारतीय प्रयासों का स्वागत करते हैं।" क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि भारत को रूस के अत्याधुनिक एसयू–57 लड़ाकू विमानों की बिक्री का मुद्दा दोनों देशों के बीच बातचीत के एजेंडे में शामिल है। उन्होंने संकेत दिया कि आगामी भारत–रूस वार्ता के दौरान एसयू–57 की संभावित बिक्री पर चर्चा हो सकती है।

40 से ज्यादा पुल तबाह, कई इलाकों में सड़कें गायब, कहीं भी जाने के लिए घंटों चल रहे लोग

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल जबरदस्त अचानक आई बाढ़ से टूटे जरूरी सड़क संपर्क को फिर से जोड़ने की कोशिश कर रहा है। अधिकारी आपदा प्रभावित इलाकों में अलग–थलग पड़े समुदायों को फिर से जोड़ने के लिए भारत और चीन से अस्थायी पुलों की मांग कर रहे हैं। नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरआरएमए) के अनुसार, सोमवार तक 26 अगस्त की आपदा में मरने वालों की संख्या 1,356 थी। वहीं, 4,994 लोग लापता थे। अब तक कुल 13,396 लोगों को बचाया जा चुका है। नेपाल–तिब्बत बॉर्डर के पास बर्फ और चट्टानों के खिसकने (एवलांच) से आई बाढ़ ने भोटेकोशी नदी के बहाव को बहुत तेज कर दिया। इससे उत्तरी और मध्य नेपाल में घर, गाड़ियां, सड़कें और पुल बह गए और पनबिजली प्रोजेक्ट्स को नुकसान पहुंचा। नेपाल ने भारत और चीन, दोनों से अस्थायी पुलों की मांग की है। दोनों देशों ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। द काठमांडू पोस्ट अखबार की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने मुस्तांग में कोराला बॉर्डर क्रॉसिंग के लिए पहले ही 100–मीटर के दो बेली पुल भेज दिए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सड़क विभाग ने सड़कों और पुलों को हुए नुकसान का अनुमान एनपीआर 30 अरब लगाया है, जबकि इनके पुनर्निर्माण में लगभग एनपीआर 50 अरब का खर्च आने की उम्मीद है। बाढ़ ने रसुवा और चितवन के बीच गाड़ियों के चलने लायक 41 पुलों को नष्ट कर दिया। चार अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे इस कॉरिडोर पर मौजूद 63 पुलों में से केवल 18 ही सुरक्षित बचे बाढ़ ने कई महत्वपूर्ण सड़क संपर्क काट दिए हैं। रसुवा में, इस आपदा ने नुवाकोट के साथ सड़क संपर्क काट दिया, जबकि फुरके खोला पर बना कंक्रीट का पुल नष्ट हो गया, जिससे धाडिंग जिले के मुख्यालय धाडिंगबेसी और पृथ्वी राजमार्ग के बीच सीधा संपर्क टूट गया। पोस्ट की रिपोर्ट में विभाग के उप महानिदेशक और प्रवक्ता शुभराज न्यूपाने के हवाले से कहा गया है कि सड़क विभाग ने अस्थायी पुल लगाने के लिए बाढ़ में बही सड़कों के हिस्सों को साफ करना और उन्हें फिर से खोलना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नेपाली सेना अलग से नुवाकोट के देवीघाट में एक एक्रो पुल लगा रही है।

भौतिक बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुशील बाबू ढकाल ने कहा कि सड़क विभाग के पास 11 बेली पुल हैं, जिनमें से हर 48 मीटर तक लंबा है, लेकिन उन्हें क्षतिग्रस्त जगहों तक पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है क्योंकि कई जगहों तक जाने वाली सड़कें ही बह गई हैं। ढकाल ने कहा, जहां बेली पुल उपलब्ध हैं, वहां उन्हें साइटों तक ले जाने के लिए कोई सड़क नहीं है। बाढ़ से क्षतिग्रस्त रास्तों को फिर से खोलने का काम चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने भी बेली पुलों की आपूर्ति करने की पेशकश की है। इस बीच, बुनियादी ढांचे को हुए भारी नुकसान ने बचाव और राहत कार्यों की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

इक्वाडोर का पांचवां जहाज डुबोया, 227 मौतों ने बढ़ाई चिंता

क्विटो,एजेंसी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोमवार को प्रशांत महासागर में इक्वाडोर के एक जहाज को डुबो दिया। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज अपराधी संगठन लॉस चोनेरोस से जुड़ा था। अमेरिकी कमान के मुताबिक, यह एक तैरता हुआ ईंधन केंद्र था। इसका इस्तेमाल समुद्र में नशीली दवाओं की तस्करी के अभियानों को मदद देने के लिए किया जा रहा था। कार्रवाई पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में हुई। जहाज पर मौजूद लोगों को पहले उतार लिया गया। अब उन्हें इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंपा जाएगा। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कार्रवाई से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। इसमें अमेरिकी सैन्यकर्मी एक जहाज पर चढ़ते दिख रहे हैं। इसके बाद ऊपर से एक हेलीकॉप्टर उड़ता नजर आता है। आखिर में एक प्रक्षेपास्त्र जहाज से टकराता है और वह समुद्र में डूब जाता है। अमेरिकी कमान ने कहा कि उसकी सेनाएं पश्चिमी गोलार्ध में नशीली दवाओं की तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर अभियान जारी रखे हुए हैं। नहीं। यह दो हफ्ते से भी कम समय में अमेरिकी सेनाओं का पांचवां निशाना है। इससे पहले प्रशांत महासागर में मछली पकड़ने वाले जहाज मारिया कैंडेलारिया को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने इस जहाज के 26 सदस्यों को खोज लिया। वे रविवार को बंदरगाह शहर मांटा पहुंचे। कॉन्क्विस्टा–2 के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। हालांकि, उनके परिवार देश की मुख्य भूमि पर उनकी जानकारी को लेकर चिंता जताते रहे। इन समुद्री हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर आलोचक सवाल उठा रहे हैं। कम से कम एक मामले में इक्वाडोर के अधिकारियों ने कहा था कि हमले में बचे एक व्यक्ति के किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने का उनके पास कोई सबूत नहीं था। इस बीच, इक्वाडोर के अधिकारियों ने नए डूबे जहाज की कार्रवाई पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। जहाज का नाम भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ट्रंप प्रशासन सहयोगी देशों के साथ ऐसे समझौते करने की कोशिश कर रहा है, जिससे अभियान को कई लैटिन अमेरिकी देशों की जमीन तक बढ़ाया जा सके। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा यात्रा के दौरान कहा था कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अपनी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त अमेरिकी सैन्य अभियान की अनुमति देने पर सहमति जताई है। हालांकि, ग्वाटेमाला ने ऐसा कोई समझौता होने से इनकार किया है।

ट्रंप बोले- दो डॉलर से कम होगी गैसय एर्दोगन ने इस्राइल को कैसे घेरा?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की जीत के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा कि युद्ध जीतने के बाद तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने कहा कि गैस की कीमत पहले तीन डॉलर प्रति गैलन तक आ सकती है और अंततः दो डॉलर प्रति गैलन से भी नीचे जा सकती है। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को ईरान की ऊर्जा सुविधाओं पर किसी भी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान का तेल और गैस उत्पादन तंत्र काफी फैला हुआ है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाइल नम्बर 9190052 39332
,919450482227